संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक-178 रविवार,30 अप्रैल 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

देश का नाम रोशन करने वाले पहलवान हैं परेशान

देश की किसी भी बेटी के साथ दुर्व्यवहार करने वाले आरोपित को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए या फांसी पर लटका देना चाहिए...

नई दिल्ली,29 अप्रैल 2023(ए)। दिल्ली के जंतर मंतर पर डब्ल्यूएफआई के चीफ बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों का प्रदर्शन लगातार जारी है। पहलवानों के इस प्रदर्शन को अन्य एथलीट्स के साथ-साथ कई नेताओं का भी समर्थन मिल रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शनिवार को धरना स्थल पर पहलवानों से मुलाकात करने पहुंचे हैं।

केजरीवाल ने धरना प्रदर्शन पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा-हमारे देश के पहलवान, खिलाड़ी जिन्होंने पूरी दुनिया हमारे देश का नाम रोशन किया था वह पिछले एक हफ्ते से प्रदर्शन कर रहे हैं, क्यों कि उनकी पार्टी(भाजपा) के बड़े नेता ने हमारी खिलाड़ी, बेटी के साथ दुर्व्यवहार किया।

उन्होंने आगे कहा कि वैसे तो देश की किसी भी बेटी के साथ दुर्व्यवहार करने वाले आरोपित को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए या फांसी पर लटका देना चाहिए, लेकिन ये दुख की बात है, क्योंकि यह महिलाएं सामान्य नहीं हैं। इन्होंने अपनी मेहनत से भारत का नाम रोशन किया है।

आप लोगों ने देखा होगा कि इन्होंने देश के लिए मेडल जीते थे। पूरी दुनिया देख रही है इनके पीछे तिरंगा था और राष्ट्रगान चल रहा था। अगर उनके साथ किसी व्यक्ति ने दुर्व्यवहार किया है तो उसकी एफआईआर दर्ज कराने के लिए जंतर मंतर पर बैठना पड़ा रहा है।

मंत्री आतिशी के साथ-साथ मंत्री सौरभ भारद्वाज भी जंतर मंतर पहुंचे। दोनों ही मंत्रियों ने पहलवानों के साथ खड़े होने की बातचीत कही और नारेबाजी भी की। आतिशी ने कहा कि पूरे देश में बेटियों को न्याय दिलाने के लिए आवाज उठा रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा, हमारे देश के खिलाड़ी, जिन्होंने पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया था आज पिछले 1 हफ्ते से जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा के किसी बड़े नेता ने हमारे देश का नाम रोशन करने वाली लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार किया, गलत काम किया। साथ ही केजरीवाल ने कहा, वैसे तो हमारे देश की किसी भी लड़की के साथ अगर कोई गलत काम हो, उस व्यक्ति को तुरंत पकड़ कर सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। फांसी की सजा होनी चाहिए, लेकिन बड़े दुख की बात है कि इनको एफ.आई.आर दर्ज कराने के लिए जंतर मंतर पर बैठना पड़ रहा है। हमारे समाज में किसी भी लड़की के लिए घर से बाहर निकलकर खेलों में नाम कमाना बहुत मुश्किल है। हमारे समाज में महिलाओं को आगे आने से रोका जाता है।

भारतीय समाज में किसी भी महिला के लिए बाहर निकलकर इस मुकाम तक पहुंचना लगभग नामुमकिन है।सबसे पहले मैं इन पहलवानों के जज्बे को सलाम करता हूं। जो भी भारत से प्यार करता है वह आपके साथ खड़ा है। आप अकेले नहीं हो आपने पूरे देश को जगा दिया है। संदेश यह है कि अगर इनकी पार्टी का कोई भी व्यक्ति चोरी करेगा, गलत काम करेगा, महिलाओं के साथ छेड़खानी करेगा तो उसका बाल भी बांका नहीं किया जाएगा।

देश ऐसे तरक्की नहीं कर सकता है। एक स्न्ढ्ढक्र के लिए इन लोगों को सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा। इन लोगों को बुखार है फिर भी इनको यहां बैठना पड़ रहा है। कितने दर्द की बात है। इन बच्चों का आंदोलन देश की खेल व्यवस्था में बहुत बड़ा परिवर्तन करेगा, जो भी लोग इस भारत देश से प्यार करते हैं उनसे कहना चाहता हूं कि छुट्टी लेकर आओ, इनका साथ दो। यह लोग सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि पूरे खेल जगत के लिए लड़ रहे हैं।

अगर यह बच्चे संघर्ष ना करते तो लड़कियों के साथ गलत काम होता रहता। मेरा दिल कहता है कि इनको जरुर सफलता मिलेगी। केंद्र सरकार से मेरी गुजारिश है इतने निर्दई मत बनो। इन बच्चों की बिजली पानी रोक दिया। मुख्यमंत्री होने के नाते मेरी तरफ से जो बनेगा मैं करूंगा लेकिन आप भी थोड़ी इंसानियत दिखाओ।

बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों का प्रदर्शन लगातार जारी

प्रियंका गांधी सांसद दीपेंद्र हुड्डा के साथ पहुंची जंतर-मंतर

प्रियंका गांधी के साथ हरियाणा कांग्रेस के नेता और सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी जंतर मंतर पहुंचे हैं। पंजाब कांग्रेस के नेता और पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू पहले ही जंतर मंतर पहुंचने का ऐलान कर चुके हैं। प्रियंका गांधी ने महिला पहलवानों से मुलाकात के बाद कहा कि किसी को अब तक एफआईआर की कॉपी नहीं मिली है। अभी तक यह भी नहीं पता कि इस एफआईआर में लिखा क्या है। उन्होंने कहा आज जब ये महिला पहलवान सड़क पर बैठे है तो कोई सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब स्न्ढ्ढक्र दर्ज हो गई तो अब तक पीड़ित पक्ष को इसकी कॉपी क्यों नहीं दी? उन्होंने बृजभूषण शरण सिंह के लिए कहा कि जब तक ये पद पर रहेंगे, प्रेशर बनाते रहेंगे, इसलिए पहले उनकी पावर वापस ली जाए। उधर बृजभूषण के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों ने दिल्ली पुलिस पर विरोध प्रदर्शन खत्म करने के लिए दवाब बनाने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि पुलिस ने उनके धरने स्थल की लाइट काट दी है और सभी गेट बंद करके उनके मंगाए सामान भी अंदर नहीं आने दे रहे हैं।

प्रदर्शनकारी पहलवानों में शामिल बजरंग पूनिया ने इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी करते हुए कहा,हम देश के लोगों को दिल्ली पुलिस की सच्चाई दिखाने चाहते हैं। धरने की जगह की लाइट काट दी गई है।

पहलवानों का आरोप-पुलिस कर रही परेशान

दिल्ली के जंतर-मंतर मैदान में कई दिनों से डटे पहलवानों के समर्थन में राजनीतिक पार्टियां भी सामने आने लगी हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जंतर मंतर धरने पर पहुंच चुकी हैं। खबर है कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भी आज शाम पहलवानों से मिलने जंतर मंतर पहुंच सकते हैं। पहलवान लंबे वक्त से भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ एक्शन की मांग कर रहे हैं। जंतर-मंतर पर पहलवानों का यह दूसरी बार प्रदर्शन है। हालांकि पहलवानों की मांग के बाद दबाव में आकर दिल्ली पुलिस भाजपा सांसद बृजभूषण के खिलाफ यौन शोषण के दो मुकदमे दर्ज कर चुकी है।

सजा होने पर जेल में बेचैन नजर आया माफिया मुख्तार

पेशी के समय रही कड़ी निगरानी

बांदा,29अप्रैल2023(ए)। गैंगस्टर एक्ट में न्यायालय से 10 वर्ष की सजा व पांच लाख रुपये जुर्माना होने के बाद माफिया मुख्तार अंसारी जेल में बेचैन रहा। हालांकि, इस बीच किसी से कुछ बोला नहीं। बैरक में चहल कदमी करने के साथ बैठकर मन ही मन कुछ सोचता रहा। पूर्वांचल का माफिया मुख्तार अंसारी मंडल कारागार में सात अप्रैल 2021 से बंद है। शनिवार को उसकी गाजीपुर एमपीएमएलए कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंसिंग से पेशी थी। इसमें सजा को लेकर सुनवाई होनी थी। सूत्रों की मानें तो पेशी को लेकर माफिया सुबह से ही बैरक में सोच-विचार में उलझा रहा। हालांकि, उसने चाय और खाना आदि के साथ दैनिक काम पहले की तरह ही किए लेकिन खाना खाने में उसकी रूचि नहीं दिखी। बिना मन के उसने खाना खाया।

वीडियो कांफ्रेंसिंग से पेशी होने के बाद बिना कुछ बोले लौटा बैरक

दोपहर करीब 12-50 से एक बजे तक वह जेल के अंदर अलग बने वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष में रहा। सजा सुनाए जाने के बाद उसे वापस बैरक में ले जाया गया। वहां वह अन्य दिनों की अपेक्षा सामान्य स्थिति में नहीं रहा। दोपहर बाद लेटने पर कई बार उसने करवट इधर-उधर बदली। वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने बताया कि उनको मुख्तार की कोई बात रोजाना से अलग नहीं लगी है। हमेशा की तरह ही वह अपनी बैरक में रहा।

पेशी के समय रही कड़ी निगरानी

मंडल कारागार में मुख्तार के आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था जहां हाईटेक बनी है। वहीं पीएसी के पहरे से लेकर गैर जनपदों के डिप्टी जेलर व वार्डन विशेष रूप से निगरानी में लगे हैं। पेशी के समय बाडी वार्न व सीसीटीवी के 48 कैमरे सक्रिय रहे। बैरक से वीसी कक्ष में लाने व ले जाने में कड़ी निगरानी रही।

इधर मुख्तार अंसारी को 10 साल की सजा, उधर फरार बेटे उमर अंसारी पर भी शिकंजा,जारी हुआ वारंट

मुख्तार अंसारी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को गैंगस्टर केस में गाजीपुर की एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। तो वहीं, अब उनके बेटे उमर अंसारी के खिलाफ वारंट जारी हो गया है।

वहीं, मुख्तार के भाई और बसपा सांसद अफजाल अंसारी को भी दोषी करार दे दिया गया है। इतना ही नहीं, मुख्तार के बाद उसके छोटे बेटे उमर अंसारी की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। पुलिस ने उमर अंसारी के खिलाफ भी गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उमर अंसारी के खिलाफ पुलिस ने यह वारंट हेट स्पीच के मामले में जारी किया है। दरअसल, उमर अंसारी ने एक चुनावी सभा में के दौरान हेट स्पीच का प्रयोग किया था। इसी मामले में उमर अंसारी के खिलाफ गाजीपुर थाने में दर्ज हुआ था। खबर के मुताबिक, उमर अंसारी इस मामले में काफी समय से फरार चल रहे है। ऐसा बताया जा रहा है कि अब्बास के साथ उमर अंसारी भी इस मामले में आरोपी है। सीओ सिटी धनंजय मिश्रा ने जानकारी दी कि हेट स्पीच के मामले में उमर अंसारी के खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया गया है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने यह वारंट जारी किया है और कभी भी उमर अंसारी की गिरफ्तारी हो सकती है। इससे पहले गाजीपुर की एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को दोषी करार देते हुए 10 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उनपर 5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

सेना की तोपखाना रेजिमेंट में पहली बार हुई पांच महिला अधिकारियों की तैनाती

नईदिल्ली,29अप्रैल2023 (ए)। भारतीय सेना ने पहली बार अपनी तोपखाना रेजीमेंट में पांच महिला अधिकारियों को शामिल किया है। तोपखाना रेजीमेंट में शामिल होने वाली महिला अधिकारियों ने शनिवार को चेन्नई में ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी में अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। सैन्य सूत्रों ने बताया कि तोपखाना रेजीमेंट में लेफ्टिनेंट महक सैनी, लेफ्टिनेंट साक्षी दुबे, लेफ्टिनेंट अदिति यादव और लेफ्टिनेंट पायस मुद्गिल समेत पांच महिला अधिकारियों को शामिल किया गया है।सूत्रों ने बताया कि पांच महिला अधिकारियों में से तीन को चीन के साथ लगती सीमाओं पर तैनात टुकड़ियों में नियुक्त किया गया तथा दो अन्य महिला अधिकारियों को पाकिस्तान के साथ अग्रिम सीमा के समीप 'चुनौतीपूर्ण स्थानों' पर तैनात किया गया है। एक सूत्र ने बताया कि तोपखाना रेजीमेंट में महिला

अधिकारियों की तैनाती भारतीय सेना में चल रहे परिवर्तन का प्रमाण है। जनवरी में सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने तोपखाना इकाइयों में महिला अधिकारियों को शामिल करने की घोषणा की थी। बाद में सरकार ने भी इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी थी।

गाली देने वाले कांग्रेसी नेताओं को विधानसभा चुनाव में जनता सिखाएगी सबक:पीएम मोदी

बेंगलुरु,29अप्रैल2023(ए)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने आज से धुआंधार प्रचार की शुरुआत की। पीएम मोदी अगले 2 दिन में कई रोड शो और जनसभाएं करेंगे। पीएम मोदी ने बीदर के हुमनाबाद में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि 10 मई को बड़ी संख्या में लोग मतदान कर विकास के अमृतकाल के लिए, कर्नाटक को देश का नंबर वन राज्य बनाने में मदद करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए गए विवादित टिप्पणी का भी मुद्दा उठाया।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस में उन्हें 91 बार गाली दी हैं। पहले कांग्रेस द्वारा कहा गया कि चौकीदार चोर है। फिर कहा गया कि मोदी चोर है। अब कांग्रेस नेताओं ने कर्नाटक के लिंगायत समुदाय को भी गाली दी है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस वाले जब भी गाली देते हैं तो उनका चुनाव में बुरा हाल होता है। इसके अलावा पीएम मोदी ने कहा कि लोगों ने संविधान के निर्माता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर को भी कांग्रेस के लोगों ने राष्ट्रद्रोही जैसी गाली दी। कांग्रेस के लोग वीर सावरकर को भी गाली देते हैं।

उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस द्वारा उनको गाली दी जाती है, तो उन्हें ऐसा लगता है कि जैसी उनकी सावरकर और आंबेडकर जैसे महापुरुषों से तुलना की जा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि कर्नाटक की जनता के आशीर्वाद से उन्हें दी जाने वाली गालियां मिट्टी में मिल जाएंगी। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेसी गाली देते रह जाएंगे। पीएम मोदी ने कर्नाटक की जनता से कांग्रेस को किसी भी सूरत में न जिताने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग इस बार चुनाव में कांग्रेस को जवाब देंगे। पीएम मोदी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि बीजेपी को अपना वोट देकर राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएं।

ईडी ने रवींद्रन बायजू के परिसरों पर मारा छापा

» तलाशी के दौरान, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डेटा जब्त

नईदिल्ली,29अप्रैल2023(ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत बेंगलुरु में रवींद्रन बायजू और उनकी कंपनी 'थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड' के तीन परिसरों में तलाशी और जब्ती अभियान चलाया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी बायजू के नाम से लोकप्रिय ऑनलाइन एजुकेशन पोर्टल चलाती है। तलाशी के दौरान, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डेटा जब्त किए गए।

अधिकारी ने कहा, फेमा की खोजों से यह भी पता चला है कि कंपनी को 2011 और 2023 के बीच 28 हजार करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ। इसके अलावा, कंपनी ने विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के नाम पर इसी अवधि के दौरान विभिन्न विदेशी संस्थाओं में 9754 करोड़ रुपये भी भेजे।

ईडी के मुताबिक, कंपनी ने विज्ञापन और मार्केटिंग खर्च के नाम पर करीब 944 करोड़ रुपये बुक किए हैं, इसमें विदेशी अधिकार क्षेत्र में भेजी गई राशि भी शामिल है। इसमें आरोप लगाया गया है कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 से

अपने वित्तीय विवरण तैयार नहीं किए हैं और खातों का ऑडिट नहीं कराया है, जो अनिवार्य है।

इसलिए, कंपनी द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों की वास्तविकता की बैंकों से जांच की जा रही है। विभिन्न व्यक्तियों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर खिलाफ जांच शुरू की गई है। जांच एजेंसी द्वारा की गई जांच के दौरान, कई सम्मन जारी किए गए थे। अधिकारी ने कहा, कंपनी के संस्थापक और सीईओ रवींद्रन बायजू को कई बार सम्मन जारी किया गया। लेकिन वह हमेशा टालमटोल करते रहे और जांच के दौरान कभी पेश नहीं हुए।

इस बीच बायजू की कानूनी टीम के प्रवक्ता ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों का बैंगलोर में उनके एक कार्यालय का दौरा, फेमा के तहत एक नियमित पूछताछ से संबंधित है। उन्होंने कहा, हम अधिकारियों के साथ पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं और उन्हें उनके द्वारा मांगी गई सभी जानकारी प्रदान की है। हमें अपने संचालन की अखंडता में विश्वास है, और हम नैतिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे कि उनके पास आवश्यक सभी जानकारी है, और हमें विश्वास है कि इस मामले को समय पर और संतोषजनक तरीके से सुलझा लिया जाएगा।

हाईकोर्ट ने कर्मचारियों को कई लाभ देने के दिया निर्देश

नईदिल्ली,29अप्रैल2023(ए)। देशभर में इस वक्त पुरानी पेंशन के मामले में हल्ला मचा हुआ है। इसी बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक बार फिर पुरानी पेंशन योजना पर बड़ा फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि नई पेंशन स्कीम लागू होने के बाद नियमित किए गए कर्मचारी भी पुरानी पेंशन के हकदार होंगे। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक चौधरी ने रणवीर सिंह व 23 अन्य की याचिका पर दिया है।

नियमित कर्मी भी पीएफके हकदार

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि पहले से कार्यरत जल संस्थान के दैनिक वेतन भोगी कर्मी याची, जिनकी सेवाएं सन् 2005 में नई पेंशन स्कीम लागू होने के बाद नियमित की गई हैं, वे भी पुरानी पेंशन पाने के हकदार होंगे।वहीं कोर्ट ने जल संस्थान के दैनिक वेतन भोगी कर्मी, जिन्हें बाद में नियमित किया गया है, उनकी पूर्व में की गई सेवा को नियमित सेवा के साथ जोड़ते हुए पुरानी पेंशन का लाभ देने का निर्देश दिया है।

कर्मचारियों द्वारा दायर याचिका पर हुई सुनवाई

यह याचिका रणवीर सिंह व 23 अन्य कर्मचारियों द्वारा दायर की गई थी, जिसमें उनका कहना था कि याचीगण 2005 से 2011 के बीच जल संस्थान झांसी के नियमित कर्मचारी हैं। इससे पहले वे 1989-91 के बीच दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में नियुक्त हुए थे।

अपराधी बनकर नहीं दूंगा इस्तीफा

» एफआईआर होने के बाद बृजभूषण सिंह का जवाब

नईदिल्ली,29अप्रैल2023(ए)। जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों की मांग पर अब बृजभूषण ने कहा है कि इस्तीफा कोई इतनी बड़ी चीज़ नहीं है। उनका दावा है कि वह पूरी तरह से निर्दोष हैं। स्न्ढ्ढक्र दर्ज किए जाने को लेकर उन्होंने कहा कि मेरा कार्यकाल लगभग पूरा हो चुका है। ऐसे में मेरे लिए इस्तीफा देना कोई बहुत बड़ी चीज भी नहीं है। मैं कोई अपराधी नहीं हूं। उन्होंने कहा, अगर मैं इस्तीफा देता हूं तो इसका मतलब यह होगा कि इन पहलवानों की ओर से लगाए गए आरोप सही हैं।

सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा जताते हुए बृजभूषण सिंह ने कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है। कोई भी सुप्रीम कोर्ट से ऊपर कोई नहीं है। उन पर कई महीने से लगातार आरोप लगाए जा रहे हैं। मैं चाहता हूं कि मामले की निष्पक्ष रूप से पूरी जांच कराई जाए। हम चाहेंगे कि मामले की सुनवाई जल्द पूरी की जाए। मैं अपराधी बनकर हर समय नहीं रहना चाहता। उन्होंने यह भी दावा कि वह मामले में पूरी तरह से निर्दोष हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने 3 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। चुनाव अगले 45 दिन में होने हैं. चुनाव के बाद मेरा कार्यकाल भी खत्म हो जाएगा।

पीएमएवाई योजना में अनियमितताओं की पहचान करने को बंगाल सरकार ऑडिट करेगी

कोलकाता,29अप्रैल2023 (ए)। प्रधान मंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत अनियमितताओं की बढ़ती शिकायतों और केंद्र द्वारा धनराशि रोके जाने के मद्देनजर, पश्चिम बंगाल सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान राज्य में योजना के कार्यान्वयन का स्वेच्छा से ऑडिट कराने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार के सूत्रों ने कहा कि ऑडिट पश्चिम बंगाल के 345 ब्लॉकों में किया जाएगा।राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए, किसी भी कैग-अनुमोदित ऑडिट इकाई को कार्य करने के लिए सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वेच्छा से यह ऑडिट कराकर राज्य सरकार सूक्ष्म संदेश देना चाहती है कि वह इस मामले में किसी तरह के भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं है। इससे उन आरोपों पर भी विराम लगेगा कि राज्य सरकार राज्य में केंद्र प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के ऑडिट से बच रही है।

संपादकीय

पुलिस अधिकारियों की नाकामी महंगी पड़ी

छत्तीसगढ़ माओवादी हमला, जिसमें 10 जवान और एक नागरिक मारे गए थे, न केवल माओवादियों की खूनी हिंसा बल्कि संबंधित पुलिस द्वारा सबसे असंवेदनशील योजना का भी एक और गंभीर अनुस्मारक है। आईईडी विस्फोट जिसने माओवादी विरोधी अभियानों में शामिल आदिवासियों की जान ले ली और आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों (5) की जान ले ली, यह क्षेत्र में सक्रिय माओवादियों का पूर्व नियोजित हमला था।
या तो कानून व्यवस्था की एजेंसियां ऐसी घटनाओं से सबक लेने से इनकार कर रही हैं या फिर उन्हें ऐसे ऑपरेशनों में शामिल सुरक्षाकर्मियों की जान की कोई परवाह नहीं है. उन घटनाओं की टाइमलाइन पर नजर डालिए जिनके चलते इलाके में माओवादियों ने इतनी आसानी से आईईडी ब्लास्ट कर दिया। 18 अप्रैल को, कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी के काफिले पर माओवादियों ने उस समय गोलियां चलाईं, जब वह बीजापुर क्षेत्र का दौरा कर रहे थे। हथियार जाम हो जाने के कारण वह बाल-बाल बच गया और उसका सतर्क चालक दुर्घटना को टालते हुए मौके से भाग निकला। यहां यह पता नहीं चल पाया है कि विधायक को निशाना बनाने वाली बंदूक वास्तव में जाम थी या यह माओवादियों की पुलिस को फंसाने की चाल थी.
मूर्ख नक्सल विरोधी बल के आकाओं ने परिणामों के बारे में सोचे बिना माओवादी विरोधी हमले की योजना बनाई। अतीत में ऐसे कई उदाहरण थे जब इस तरह के प्रयास किए गए थे और सेना जाल में फंस गई थी। एक अनुभवी पुलिस बल उचित योजना और जमीनी स्थिति का सर्वेक्षण किए बिना किसी भी अभियान में जल्दबाजी नहीं करेगा। यहाँ इंटेल की विफलता भी स्पष्ट है। बताया जाता है कि पुलिस ने रास्ते को सेनेटाइज भी किया। लेकिन माओवादियों ने सेनिटाइजेशन प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार किया और बाद में विस्फोटक लगाया।
दंतेवाड़ा में तैनात केंद्रीय बलों के एक प्रारंभिक आकलन के अनुसार, विधायक पर विफल हमले की यह घटना गति की घटनाओं में बदल गई, जो पिछले दो वर्षों में छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों पर माओवादियों द्वारा की गई सबसे बड़ी हड़ताल थी। बुधवार को हुए विस्फोट में राज्य पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दस कर्मी और एक असैन्य चालक की मौत हो गई थी। यह हमला अरनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दोपहर 1 बजे से 1ः30 बजे के बीच हुआ। सुरक्षाकर्मी दंतेवाड़ा शहर में अपने मुख्यालय से अरनपुर पुलिस स्टेशन चले गए और अपने तलाशी अभियान शुरू करने से पहले दो दिनों के लिए स्टेशन पर खड़े अपने वाहनों को छोड़ दिया।
यह कोई बड़ी भूल नहीं बल्कि एक आत्मघाती फैसला है। अब पूरे दृश्य को नए सिरे से देखेंः सत्तारूढ़ दल के विधायक पर जानबूझकर विफल हमला किया गया है, पुलिस बदला लेना चाहती है, क्षेत्र से माओवादियों को पकड़ने के लिए एक बेतरतीब योजना बनाई गई है, मार्ग की सफाई सही तरीके से की गई है लेकिन थोड़ी जल्दी टीम दो वाहनों में सवार होकर उन्हें दो दिनों तक सबकी मौजूदगी में थाने में पार्क करती है और दो माओवादियों को पकड़ने के बाद उन्हीं वाहनों को वापस ले जाती है। यह एक माओवादी विरोधी या माओवादी विरोधी ऑपरेशन योजना की तरह नहीं लगता है बल्कि एक फिल्मी जाल में चलने जैसा है। यह न केवल ताकतें हैं जो आत्मसंतुष्ट हैं बल्कि सरकार भी। क्या यह मान लिया गया था कि वामपंथी उग्रवाद मर चुका था और चला गया था जैसा कि मुख्यमंत्री कहते हैं? या फिर वह ऐसे इलाकों में पुलिसिंग के बुनियादी तरीकों को भूल गई है? सरकार को देश को स्पष्टीकरण देना चाहिए। और पुलिस को या तो तेलंगाना या आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

क्या आदिवासी आपके प्रयोग के चूजे हैं?

वह कोई बड़ी खबर नही थी! इसीलिए मीडिया की सुर्खियों में नही आई! न ही चुनावी मोड में चल रही राज्य सरकार को यह लगा कि आदिवासियों की बेटियां भी लाडली की श्रेणी में आ सकती हैं।यही वजह है कि सरकारी अफसरों की सनक में सार्वजनिक घृणित अपमान की शिकार हुई दो सौ से ज्यादा किशोरियों के मुद्दे पर सब मौन से हैं।
सवाल यह भी है कि क्या राज्य सरकार और उसके अफसर आदिवासी समाज की रवायतों को बदलने की कोशिश कर रहे हैं।साथ ही यह भी कि क्या यह सब किसी एजेंडे के तहत किया जा रहा है!क्या उन्हें पता नही है कि आदिवासी हिंदू पर्सनल लॉ के दायरे में नहीं आते हैं।
पहले बात आदिवासी युवतियों के अपमान की!आखातीज के दिन राज्य के अन्य जिलों की तरह आदिवासी बहुल डिंडोरी जिले में भी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया था।इस योजना के तहत सरकार नव विवाहित जोड़े को 6 हजार रुपए का घरेलू सामान और 49 हजार रुपए नकद देती है।यह राशि नवदंपति के बैंक खाते में जमा की जाती है।
बताते हैं गड़ा सराय इलाके में हुए इस आयोजन में कुल 224 जोड़े शामिल हुए!अफसरों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई विवाहित जोड़ा इस योजना का लाभ न उठा ले,सभी 224 लड़कियों का प्रेगनेंसी टेस्ट करा डाला।टेस्ट के बाद 5 लड़कियों को शादी से रोक दिया गया क्योंकि जांच में वे गर्भवती पाई गईं।उन्हें बिना विवाह के घर भेज दिया गया!
हालांकि उन लड़कियों ने यह माना कि वे जिन युवकों से शादी करने जा रही हैं,उनके साथ कुछ महीनों से रह रही हैं।आदिवासी समाज में यह आम रिवाज है।उनके मां बाप को उस पर आपत्ति नहीं थी।लेकिन शादी कराने वाले अफसरों को हो गई। इस घटना को खुद जिले के कलेक्टर ने स्वीकार किया।उन्होंने कहा कि 5 गर्भवती लड़कियों को विवाह स्थल पर योजना से बाहर किया गया।प्रेगनेंसी टेस्ट को उन्होंने एक शानदार कहानी से जोड़ा।साथ ही यह भी बताया कि आदिवासियों में सिकल सेल एनीमिया की बीमारी होती है।इसी वजह से सभी जोड़ों के स्वास्थ्य की जांच कराई गई।
विवाह आयोजन से जुड़े दूसरे अधिकारियों ने यह साफ कहा कि विवाह के पहले प्रेगनेंसी टेस्ट कराना अनिवार्य है।ताकि कोई विवाहित जोड़ा योजना का गलत लाभ न ले ले!
कांग्रेस के स्थानीय आदिवासी विधायक ने इस जांच का विरोध किया।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने भी इस टेस्ट पर आपत्ति जताई।लेकिन सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया।
यह भी पता चला है कि 2013 में भी अधिकारियों ने आदिवासी युवतियों के इसी तरह के टेस्ट कराए थे।यह टेस्ट आदिवासी बहुल बैतूल और डिंडोरी जिले में ही कराए गए था।तब यह मामला देश की संसद तक पहुंचा था।राज्य सरकार ने मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश भी दिए थे।लेकिन जांच रिपोर्ट का दस साल बाद भी कहीं पता नही है।
अब बात आदिवासी समाज की!आदिवासियों की जितनी भी तरह की जातियां पाई जाती हैं उन सभी में बहुत ही खुलापन है।खास तौर पर सेक्स को लेकर लड़की या महिला को लांक्षित करने या प्रताड़ित करने का रिवाज आदिम समाज में नही है।उनकी एक अलग जीवन शैली है।

हर साल होने वाले भगोरिया मेले इसका जीवंत उदाहरण हैं।
अभी भी एक आदिवासी पुरुष दो तीन पत्नियां रख सकता है।वह उनसे बच्चे पैदा करने के बाद कभी भी अपनी सुविधा से शादी कर सकता है।पिछले साल इन्ही दिनों अलीराजपुर जिले के नानपुर गांव के पूर्व सरपंच समरथ मौर्या (भिलाला) ने अपनी तीन प्रेमिकाओं के साथ एक ही मंडप में शादी की थी।वह 15 साल से इन तीनों महिलाओं के साथ रह रहा था।उसके इनसे 6 बच्चे भी हैं।वह भी अपने मां बाप की शादी में शामिल हुए थे।
समरथ ने तब कहा था - पहले पैसे नहीं थे।इसलिए शादी नही कर पाया था।अब संपन्नता आ गई है तो धूमधाम से शादी कर ली।यह शादी पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय रही थी।
आदिवासी समाज के अपने नियम हैं।उनकी अपनी मान्यताएं हैं।सेक्स और महिलाओं को लेकर हिंदू समाज जैसी धारणा और कट्टरता उनमें नही है।इसी वजह से अक्सर लड़के लड़कियां साथ रह कर बच्चे तो पैदा कर लेते हैं।लेकिन समाज को दावत देने के लिए पर्याप्त धन न होने की वजह से वह शादी नही कर पाते हैं।
डिंडोरी में आखातीज को जो हुआ उसने सबसे बड़ा सवाल यही उठाया है कि क्या राज्य सरकार आदिवासी समाज पर अपने नियम थोप रही है।जब लड़का और लड़की के एक साथ एक घर में रहने पर आदिवासी समाज को आपत्ति नहीं है तो अधिकारियों ने उनके विवाह में टांग क्यों अड़ाई?क्या उनके पास उनकी शादी का कोई प्रमाण था?या फिर कोई गर्भवती युवती अपनी पसंद के लड़के से शादी नहीं कर सकती?जब लड़के को आपत्ति नहीं तो अफसरों को क्यों!सिर्फ इसलिए कि उन्हें सरकारी विवाह योजना का लाभ न मिल सके!
एक बात और!वह भी बहुत ही मजेदार!इन दिनों देश और प्रदेश में सत्तारूढ़ दल आदिवासियों को लेकर बड़े बड़े दावे कर रहा है।आदिवासी महिला को राष्ट्रपति की कुर्सी पर बैठाने का श्रेय बड़े बड़े विज्ञापन देकर,बड़ी बड़ी सभाओं में बड़े बड़े कर्णधारों द्वारा लिया जा रहा है। आदिवासी समाज के शिखर पुरुषों को लेकर बड़ी बड़ी घोषणाएं की जा रही हैं।खुद मुख्यमंत्री पेसा योजना का प्रचार करते गांव गांव घूम रहे हैं।लेकिन क्या उन्होंने और उनके अफसरों ने आदिवासियों और उनकी सामाजिक रवायतों को समझने की कोशिश की है?
आदिवासियों के बीच उनकी मातृ संस्था लंबे समय से काम कर रही है।आजादी से पहले ईसाई मिशनरियों ने जो काम शुरू किया वही अब किया जा रहा है।उन्होंने लालच देकर आदिवासियों को ईसाई बनाया।अब उन्हें संघी हिंदू बनाने की मुहिम चल रही है।
खासतौर पर 2003 के बाद यह मुहिम एक साथ कई स्तरों पर चल रही है।देश में रहने वाले हर व्यक्ति को हिंदू बताते हुए आदिवासियों को राम और कृष्ण से जोड़ने का काम युद्धस्तर किया जा रहा है।इस काम में मातृ संस्था की पूरी मदद राज्य सरकार और उसकी मशीनरी कर रही है।
अब तो उन आदिवासियों से आरक्षण और अन्य सुविधाएं छीनने की भी मुहिम चलाई जा रही है जो ईसाई बन गए हैं।इसके लिए एमपी और छत्तीसगढ़ में बड़े प्रदर्शन भी किए जा चुके हैं।
आदिवासियों को हिंदू खांचे में फिट करने की चौतरफा मुहिम चल रही है। डिंडोरी के अधिकारियों द्वारा प्रेगनेंसी टेस्ट भी इसी अभियान का हिस्सा तो नही है?
क्योंकि जिस राज्य में अफसर मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के नाम पर खुद करोड़ों खा जाएं वे कुछ भी कर सकते हैं।मजे की बात यह है अफसरों द्वारा फर्जी विवाह खुद मुख्यमंत्री के अपने जिले विदिशा में कराए गए थे।इस घोटाले का खुलासा भी बीजेपी के ही एक विधायक ने विधानसभा में सवाल उठाकर किया था।
हंगामे के बाद जांच हुई।घोटालेबाज अफसर और सरकारी कर्मचारी पकड़े गए।जेल भेजे गए।मामले की जांच अभी भी चल रही है।
उधर जेल गए अफसरों के करीबी सूत्रों का कहना है कि उन्होंने जो कुछ किया था वह सब ऊपर के आदेश पर किया था।आदेश के मुताबिक सरकारी खजाने से पैसा निकालना था।इसलिए जो लोग अपने खर्चे पर अपने बच्चों की शादियां कर चुके थे।उन्हें खोजा गया।उन्हें लालच देकर उनके खाते में 51 हजार डाल कर उनसे पैसे वापस ले लिए गए।इस तरह कुछ 6000 शादियां सरकारी आंकड़ों में हुईं।करीब 30 करोड़ रुपए की चपत सरकारी खजाने को लगी।यह भी बताया जाता है कि इसमें से 25 करोड़ तो सीधे ऊपर पहुंचा दिए गए थे।मामला इस लिए खुला क्योंकि एक नेता जी ऊपर की तर्ज पर अपनी भी सेवा चाहते थे।यह खेल 2018 और 2019 में किया गया था।उसके बाद क्या हुआ राम जाने।
जो सरकारी मशीनरी इतना बड़ा खेल कर सकती है वह सिर्फ सरकार के 51 हजार रुपए बचाने के लिए प्रेमी से शादी रचाने आई आदिवासी युवती का प्रेगनेंसी टेस्ट नही करा सकती।या तो वह आदिवासी समाज परंपराओं को नही समझती है या फिर वह निर्देशित एजेंडा चला रही है।
सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि चुनावी नैया पार करने के लिए पूरे प्रदेश में घर घर में लाड़ली बहनों की खोज करा रहे प्रदेश के मुखिया भी इस मुद्दे पर मौन हैं।ऐसा लगता है कि सरकारी खजाने से हर महीने एक हजार रुपए देने के वायदे के आगे आदिवासी बहनों का अपमान बहुत हल्का है। रुपया इस अपमान की भरपाई कर देगा? कुछ भी इतना तो तय है कि भाई के राज में सरकारी मशीनरी बहनों की अस्मिता से खेल रही है!लेकिन अजन्मे बच्चों के मामा को कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा है।

अरुण दीक्षित

भविष्य का निर्माण वर्तमान के कठिन परिश्रम का प्रतिफल है

» आने वाले कल के लिए योजनाओं पर अमल करें

हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 135 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि आशाओं पर आकाश टिका हुआ है÷ और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है।
सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड-19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। इस संदर्भ में हर व्यक्ति को सकारात्मक सोच रख कर अपने मौजूदा संसाधनों का संपूर्ण दोहन कर सटीक नीति और भविष्य की योजनाएं बनाकर उस पर मेहनत करनी होगी और मेहनत से उपजे आत्मबल तथा संयम के साथ किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संपूर्ण ऊर्जा समेकित रूप से केंद्रित कर उस लक्ष्य की प्राप्ति करनी होगी। नागरिकों के समेकित प्रयास अच्छी सोच और कड़ी मेहनत से ही संपूर्ण राष्ट्र वैश्विक स्तर पर एक आदर्श तथा प्रेरणादायक राष्ट्र बनने की क्षमता की ओर आगे बढ़ सकता है।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़,

मैं मजदूर हूँ

मैं मजदूर हूँ, मजदूरी मेरा पेशा है।
मैं मजदूरी करूँगा,तो मेरा जीवन चलेगा।
बिना मजदूरी के मैं भूखे रह जाऊंगा।
मैं पसीना बहाता हूँ पसीने से ही नहाता हूँ।
और इसी पसीने से मैं एक नया विकास के
कीर्तिमान गढ़ता हूँ।
मेरे पसीने में शक्ति है यह बंजर जमीन
को सिंचन करता है।
असमतल जमीन को समतल बनाता है।
दलदल जमीन को ठेस का जामा पहनाता है।
मेरे पसीने में चमत्कार है
जिसे दुनिया,करती नमस्कार है।
पसीना का सम्मान है।
पर मेरा होता सदा अपमान है।
मेरे पसीने की कीमत है।
पर उसकी वाजिब कीमत कहाँ है?
यही मेरे लिए विडम्बना है।
मेरे बाजुओं में दम है, ताकत है।
मेरी बाजू कभी आराम नही करती।
यदि यह बाजू हथियार डालदे,
तो गज्जब हो जाए।
दुनिया का आवागमन रुक जाए।
हाहाकार मच जाए।
विकास की सभ्यता थम जाए।
मेरे ऊपर सारी, दुनिया का भार है।
पर मेरा भार कोई , लेना नही चाहता।
मुझे भी चैन चाहिए, शुकुन चाहिए।
सबका विकास मैं करूँगा
मेरा भी विकास करदो।
मुझे भार हीन करदो,भारहीन करदो।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

भारतीय सिनेमा के पितामह थे दादा साहेब फाल्के

30 अप्रैल 1870 को महाराष्ट्र में नासिक के निकट त्रयंबकेश्वर में जन्मे दादा साहेब फाल्के को भारतीय सिनेमा का जनक माना जाता है, जो केवल एक फिल्म निर्देशक ही नहीं थे बल्कि ऑलराउंडर थे। वे एक डायरेक्टर के सथ-साथ जाने-माने प्रोड्यूसर और स्क्रीनराइटर भी थे। नासिक के एक संस्कृत विद्वान के घर जन्मे धुन्धी राज गोविन्द फाल्के, जिन्हें बाद में दादा साहेब फाल्के के नाम से जाना गया, की पहली फिल्म थी 'राजा हरिश्चन्द्र', जिसे 'भारत की पहली फुल लेंथ फीचर फिल्म' का दर्जा हासिल है। उस बहुत पुराने दौर में भी फाल्के साहब की फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' का बजट 15 हजार रुपये था। 3 मई 1913 को रिलीज हुई वह फिल्म भारतीय दर्शकों में बहुत लोकप्रिय हुई थी और उसकी सफलता के बाद से ही दादा साहेब फाल्के को भारतीय सिनेमा का जनक कहा जाने लगा। 'राजा हरिश्चन्द्र' की जबरदस्त सफलता के बाद फाल्के साहेब का हौंसला इतना बढ़ा कि उन्होंने अपने 19 वर्ष लंबे कैरियर में एक के बाद एक 100 से भी ज्यादा फिल्मों का निर्माण किया, जिनमें 95 फीचर फिल्में और 27 लघु फिल्में शामिल थी। उनकी बनाई धार्मिक फिल्में तो दर्शकों द्वारा बेहद पसंद की गई।
दादा साहेब की जिंदगी में वह दिन उनके कैरियर का टर्निंग प्वाइंट माना जाता है, जब उन्होंने 'द लाइफ ऑफ क्राइस्ट' नामक एक मूक फिल्म देखी थी, जिसे देखने के बाद उनके मन में कई विचार आए। वह फिल्म देखने के पश्चात् उन्होंने दो महीने तक शहर में प्रदर्शित सारी फिल्में देखी और तय किया कि वे फिल्में ही बनाएंगे। आखिरकार उन्होंने अपनी पत्नी से कुछ पैसे उधार लेकर अपनी पहली मूक फिल्म बनाई। दादा साहेब फाल्के अक्सर कहा करते थे कि फिल्में मनोरंजन का सबसे उत्तम माध्यम हैं, साथ ही ज्ञानवर्द्धन के लिए भी बेहतरीन माध्यम हैं। उनका मानना था कि मनोरंजन और ज्ञानवर्द्धन पर ही कोई भी फिल्म टिकी होती है। उनकी इसी सोच ने उन्हें एक ऊंचे दर्जे के फिल्मकार के रूप में स्थापित किया। उनकी फिल्में निर्माण व तकनीकी दृष्टि से बेहतरीन थी, जिसकी वजह यही थी कि फिल्मों की पटकथा, लेखन, चित्रांकन, कला निर्देशन, सम्पादन, प्रोसेसिंग, डवलपिंग, प्रिंटिंग इत्यादि सभी काम वे स्वयं देखते थे और कलाकारों की वेशभूषा का चयन भी अपने हिसाब से ही किया करते थे। फिल्म निर्माण के बाद फिल्मों के वितरण और प्रदर्शन की व्यवस्था भी वे स्वयं संभालते थे। उन्होंने अपनी कुछ फिल्मों में महिलाओं को भी कार्य करने का अवसर दिया। उनकी एक फिल्म 'भस्मासुर मोहिनी' में दुर्गा और कमला नामक दो अभिनेत्रियों ने कार्य किया था।

दादा साहेब की आखिरी मूक फिल्म 'सेतुबंधन' थी और उन्होंने कोल्हापुर नरेश के आग्रह पर 1937 में अपनी पहली और अंतिम बोलती फिल्म 'गंगावतरण' बनाई थी। दादा साहेब द्वारा बनाई गई फिल्मों में राजा हरिश्चंद्र, मोहिनी भस्मासुर, सत्यवान सावित्री, लंका दहन, श्रीकृष्ण जन्म, कालिया मर्दन, बुद्धदेव, बालाजी निम्बारकर, भक्त प्रहलाद, भक्त सुदामा, रूक्मिणी हरण, रुक्मांगदा मोहिनी, द्रौपदी वस्त्रहरण, हनुमान जन्म, नल दमयंती, भक्त दामाजी, परशुराम, श्रीकृष्ण शिष्टई, काचा देवयानी, चन्द्रहास, मालती माधव, मालविकाग्निमित्र, वसंत सेना, बोलती तपेली, संत मीराबाई, कबीर कमल, सेतु बंधन, गंगावतरण इत्यादि प्रमुख थी। 16 फरवरी 1944 को यह महान् शख्सियत दुनिया को अलविदा कहते हुए अनंत शून्य में विलीन हो गई लेकिन भारतीय सिनेमा को शानदार फिल्मों की ऐसी सौगात सौंप गई, जिनकी महत्ता आने वाली सदियों में भी कम नहीं होगी। 1971 में भारतीय डाक विभाग ने दादा फाल्के के सम्मान में डाक टिकट भी जारी किया था।
फिल्मों में भारतीय सिनेमा के पितामह दादा साहेब के अविस्मरणीय योगदान के मद्देनजर उनकी स्मृति को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा उनके जन्म शताब्दी वर्ष 1969 में 'दादा साहेब फाल्के पुरस्कार' की स्थापना की गई और तभी से प्रतिवर्ष भारतीय सिनेमा के विकास में आजीवन उत्कृष्ट योगदान देने वाली किसी एक शख्सियत को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाता रहा है। यह पुरस्कार फिल्म इंडस्ट्री के तमाम फिल्मकारों, निर्देशकों और कलाकारों की आजीवन उपलब्धियों का समग्र मूल्यांकन करने के पश्चात् भारतीय सिनेमा के विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले किसी एक फिल्मकार, निर्देशक अथवा कलाकार को प्रदान किया जाता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा स्थापित संगठन 'फिल्म महोत्सव निदेशालय' द्वारा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रतिवर्ष दादा साहेब फाल्के के नाम पर यह पुरस्कार भारतीय सिनेमा और उसके विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को वर्ष 1969 से नियमित प्रदान किया जा रहा है, जिसे भारतीय सिने जगत के सर्वोच्च पुरस्कार का दर्जा प्राप्त है। वर्तमान में इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाली शख्सियत को 10 लाख रुपये नकद, स्वर्ण कमल पदक एवं शाल प्रदान की जाती है। अब तक यह प्रतिष्ठित सम्मान अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना, मनोज कुमार, पृथ्वीराज कपूर, बी आर चोपड़ा, श्याम बेनेगल, देवानंद, शशि कपूर, लता मंगेशकर, मन्ना डे, गुलजार, रजनीकांत, प्राण सहित कई नामी कलाकारों को मिल चुका है।

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

एक सवालिया निशान ?क्या ऐसे मर्द,मर्द हैं

आज वर्तमान युग मे यदि देखा जाए तो हर ओर भ्रष्टाचार का ही बोल बाला है । ये भ्रष्टाचार किसी एक प्रकार का नहीं है , अनेक प्रकार के भ्रष्टाचार है जो आपराधिक गतिविधियों के अंतर्गत आते हैं । अब ये भ्रष्टाचार चाहे कह लो आर्थिक से संबंधित हो या तस्करी, रिश्वत या कह लो हिंसा , बलात्कार , घरेलू हिंसा कैसा भी हो भ्रष्टाचार तो भ्रष्टाचार ही है और हर भ्रष्टाचार के लिए सज़ा तो मुमकिन है हमारे न्यायिक नियम अधिकार के अंतर्गत । ऐसे ही भ्रष्टाचार (गुनाह) के अंतर्गत जो गुनाह शामिल है , जो सर्वाधिक होने के बावजूद भी इस गुनाह के लिए कम आवाज़ उठाते हैं , ये गुनाह है घरेलू हिंसा , इस गुनाह के प्रति अधिक आवाज़ नहीं उठाने का एक कारण यह भी है मज़बूरी , दायित्व अपने नौनिहालों के प्रति जिसके लिए खामोशी इख्तियार कर अंदर ही अंदर घुटन में जीने को विवश होते हैं कुछ लोग या खुल कर कहूं तो औरतें । घरेलू हिंसा के बहुत से कारण है शराब , जूंआ , बाहरवाली आदि । जिसमें से एक खास मुद्दा जो अधिकतर देखा गया है वो मुद्दा है बाहरवाली का चस्का जो घरेलू हिंसा का कारण बनती है । तो क्या ये उस पत्नी की ग़लती है जो सब कुछ अपना त्याग आपके भरोसे आपके लिए आप से ब्याह कर आई और जिसके भरोसे आई मतलब पति के लिए वही पति उसे जीते-जी तड़पा-तड़पा कर मौत देता सिर्फ बाहरवाली रखैल , बाज़ारू औरत के लिए और कुछ तो ऐसी बाहरवाली औरतों को अपना लेते जो खुद पहले से ही शादीशुदा होती हैं । अरे ये तो सोचिए जो शादीशुदा औरत अपने पति की ना हुई वो आपकी कैसे होगी , एसी औरतें आप के साथ- साथ ना जाने कितने मर्दों को अपने शरीर के अंग दिखाकर अपना मतलब सीधा करती रहती होंगी । एसी औरतें सिर्फ रखैल या बाजारू औरतें कहलाती हैं जो कि एक बीवी की तरह आपकी परवाह नहीं कर सकती आपको सिर्फ एक गले में बंधे जानवर के पट्टे की तरह रस्सी को कस कर हाथ में पकड़कर यहां से वहां नचाती रहती होंगी । आप इनके इशारों पर नाचने वाले एक कुत्ते की भांति ही होते हो । आप ऐसी औरतों के लिए अपनी अर्धांगिनी के साथ अनैतिक रव्वैया अपनाते हैं उन्हें यातना देना , मारना , मानसिक दबाव डालना , बैल्टों से मारना , भूखे रखना वगैरह - वगैरह अरे वो पत्नी जो अपना सर्वोपरि आप पर और आपकी औलाद पर न्यौछावर कर देती है , जो हर वक्त की नज़ाकत के अनुसार खुद को उस किरदार मे ढ़ल आपके साथ-साथ आपके परिवार के सदस्यों का भी ख्याल रखती है । कभी दवा दे डाक्टर , कभी पढ़ाई करवा कर बच्चों की टीचर , कभी मां तो कभी अन्य किरदार निभाती फिर भी वही प्रताड़ित होती किसके जरिए सिर्फ उस पति के जरिए जो रखैल के वशीभूत हो अपनी अर्धांगिनी को नकारता रहता है । अरे पत्नी दिन भर खुद को कितना भी खपा कर थक जाए पर यदि पति उसके माथे को सहला दे या उससे मीठे दो बोल बोले तो दिन भर की थकान पत्नी की चुटकियों मे खत्म हो जाती सम्मान और मोहब्बत पाकर अपने पति से । पर ! फिर भी पति उसकी भावनाओं को तार-तार कर अपने मर्द होने का एहसास करवाता और जताता की मैं कमाता हूं , खिलाता हूं । इसका मतलब ये तो नहीं हुआ ना , आप बाहरवाली के चक्कर में पड़ कर जीते-जी अपनी पत्नी की हत्या ही कर दो जिंदा तो रहती आपकी पत्नी पर उसके हर अरमान , बलिदान , सम्मान का कत्ल कर दिया जाता सिर्फ जिस्म की भूख मिटाने के लिए । तो बताइये आज मेंरे सवालिया निशान पर उतरते ऐसे मर्द , मर्द कहलाने के लायक हैं या ऐसे मर्द उस पालतू कुत्तों के समान है जिनके गले की रस्सी रखैल , बाजारू , गिरी हुई गौरी चमड़ी वाली औरतों के हाथ में हैं जो सिर्फ रस्सी खींच मदारी की तरह कुत्तों को नचाती । ऐसे मर्द जो बाहरवाली के लिए अपनी पत्नी को मानसिक यातनाएं देते मर्द नहीं नामर्द हैं जिन्हें सिर्फ अपने मर्द होने का गुरूर तो है , पर वो भीतर से मर्द नहीं । ऐसे मर्द जब वक्त के ढ़लने अनुसार अर्थहीन हो जाते हैं मतलब खुले शब्दों मे बोलूं तो शक्तिहिन हो जाता है तो उसका त्याग बाहरवाली कचरे के ढ़ेर के समान करती पर इस समय अंतराल में ऐसी औरतें चमड़ी की इच्छुक नहीं दमड़ी और उपहारों की इच्छुक रहती । जो एक रस्सी से बंधा मर्द उसे देता रहता समय-समय पर जब सूपड़ा सफ़ा चट हो जाता तो कूड़े के ढ़ेर से निकला तो सही मर्द , पर वो अपने परिवार वालों के नज़रों मे इतना अधिक गिरा हुआ इंसान कहलाता की परिवार वाले उसे ना सम्मान देते और ना ही उसके होने ना होने का फर्क उसकी औलाद और बीवी को पड़ता । ऐसे मर्द सिर्फ चमड़ी की चाह में दमड़ी भी लुटा बैठते और अंत में जो हाथ लगता वो होता है बाबा जी का ठिल्लू ऐसे मर्दों पर एक कहावत जो एक दम् फीट बैठती ना घर का ना घाट का ।

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर,महाराष्ट्र

ठसके से लेते हैं रिश्वत

ठसके से लेते हैं रिश्वत
फिर काहे का रिस्क
ऑफिस हो या स्टेशन
रेट सब जगह हैं फ़िक्सि
नीचे से ऊपर तक चल रहा है यह खेल
रिश्वत ही बचा लेती हैं जाने से जेल
बाबू से मंत्री तक बना है तालमेल
फिर काहे को जाएंगे जेल
ऊपर से नीचे गजब की चैन के खेल
जाते हैं कुछ दिन जेल
झटके से सेटिंग कर हो जाता हैं मेल
उल्टा कंप्लेंट करने वाले को होती है जेल
नागरिकों को चकरे खिलाकर करते हैं फेल
फिर चलता है पैसे का खेल
फाइल आगे सरकती है तब
जब हो जाती है सेटिंग की खेल
ईश्वर अल्लाह देख रहा है
श्यानपती चतुराई होगी फेल
वह सब देख रहा है तेरे खेल
बीमारियां विपत्तियां देकर बोलेगा झेल

किशन सनमुख़दास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

आईजी ने रात में प्रतापपुर थाने का किया औचक निरीक्षण

» बीट से संबन्धित प्रत्येक जवानों से ली जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

आईजी राम गोपाल गर्ग ने शुक्रवार की रात औचक निरीक्षण पर सूरजपुर जिले के थाना प्रतापपुर पहुंचे। थाना पहुंचते ही उन्होंने तैनात जवानों से रात्री कालीन ड्यूटी प्वाइंट के बारे में विस्तृत रिपोर्ट लेने के पश्चात थाने परिसर का विधिवत निरीक्षण किए। थाने में संधारित विभिन्न पंजियों जैसे तैनाती रजिस्टर, जरायम पंजी, दैनिक डायरी, बंदी-गृह मालखाना, शत्रागार, सियान-डेस्क के साथ-साथ सीसीटीएनएस कक्ष का अवलोकन किया। औचक निरिक्षण के दौरान आईजी द्वारा थाना प्रभारी सहित समस्त स्टॉफ को निर्देशित किया गया की ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो निरंतर गश्त व पेट्रोलिंग करने के साथ-साथ थाना क्षेत्र अंतर्गत असमाजिक तत्वों जैसे गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश जैसे संदिग्धों पर सतत निगरानी कर धर पकड़ की कार्रवाई करने हेतु हिदायत दिए। साथ ही उनके द्वारा निर्देशित किया कि थाना में प्रार्थीगण की समस्याओं का त्वरित निराकरण करें किसी निर्धन व्यक्ति को परेशान न किया जाय पूर्व से लंबित प्रकरणों का यथाशीघ्र निकाल करने एवं समंस-वारंट की तामिली समय-सीमा में करने निर्देश दिए। आईजी द्वारा निर्देशित किया गया कि गंभीर अपराध, गुम बालक-बालिकाओ,चिटफंड जैसे मामलों में थाना प्रभारी स्वयं विवेचना करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अचानक निरीक्षण किए जाने के दौरान थाने के रिकॉर्ड सहित बीट से सम्बंधित जानकारी के साथ-साथ थाना परिसर की साफ सफाई उत्कृष्ट पाए जाने पर रेंज आईजी द्वारा प्रशंसा की गई। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण सिंह ध्रुर्वे सहित पुलिस स्टॉफ मौजूद रहे।

भ्रष्टारियों पर होगी कार्यवाही...जाएंगे जेल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ को भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया है। इसका जीवन्त उदाहरण बलरामपुर जिले का शंकरगढ़ व राजपुर जनपद पंचायत है जहां के जनपद अध्यक्ष, उपध्यक्ष एवं सरपंचों ने जनपद के अधिकारियों पर भारत सरकार की महत्वकाक्षी योजना प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है जिस पर संज्ञान लेते हुए केन्द्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह ने बलरामपुर जिले के राजपुर और शंकरगढ़ का दौरा किया और अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान सरपंचों ने एकजुट होकर जनपद के अधिकारियों भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनजातीय समाज के विकास के लिए संकल्पित हैं। जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने जनजातीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से जनजातीय बहुतायत ग्रामों के विकास के लिए पीएम आदि आदर्श ग्राम योजना की शुरूआत की है। यदि इसमें कोई भ्रष्टाचार करता है तो उसे माफ नहीं जाएगा भ्रष्टाचारियों को जेल भेजा जाएगा। बैठक में रेणुका सिंह ने कहा की विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका हम सब की महती जिम्मेदारी है चाहे वह अधिकारी हो, कर्मचारी हो, नेता हो पंच हो, सरपंच हो जनपद प्रतिनिधि सभी ईमानदारी के साथ उस पर काम करें जिससे गांवो का तेजी से विकास हो। शंकरगढ़ की बैठक में जनपद के सीईओ नदारद रहे जिसे लेकर भी केंद्रीय मंत्री ने नाराजगी व्यक्त की।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों के भीतर छिपी विविध कलाओं को उभारने का काम करता है फोरम

» पीजी कॉलेज में कल्चर एंड क्रिएटिविटी फोरम का शुभारंभ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शा स्नात्कोत्तर महाविद्यालय द्वारा गठित कॉलेज कल्चर एंड क्रिएटिविटी फोरम का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रिज्जवान उल्ला ने की। कर्यक्रम में मुख्य अतिथि तथा प्रशिक्षक के रूप में कलाकार अर्जिता सिन्हा उपस्थित थीं। इस दौरान उन्होंने एक खूबसूरत पेंटिंग बनाकर विद्यार्थियों को कला की बारीकियों से परिचित कराया। उनकी खूबसूरत पेंटिंग ने विद्यार्थियों सहित प्राध्यापकों का मन मोह लिया। उन्होंने आगे कहा कि जो भी विद्यार्थी इस तरह की कलाओं को सीखने के इच्छुक होंगे उन्हें वे समुचित प्रशिक्षण प्रदान करेंगी। अर्जिता सिन्हा ने इस सम्बन्ध में महाविद्यालय के साथ एक एमओयू पर भी हस्ताक्षर किया है जिसके अनुसार हर बैच में वे पांच चयनित छात्रों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करेंगी। फोरम की संयोजक डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री ने कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों के भीतर छिपी विविध कलाओं को उभारने के लिए एक मंच प्रदान करना ही इस फोरम का उद्देश्य है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रिज्जवान उल्ला ने कहा कि अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभाओं को उभारने के लिए हमारा महाविद्यालय प्रतिबद्ध है। सभी विद्यार्थी इस फोरम से सम्बंधित जानकारी उन विद्यार्थियों तक भी पहुचाएंगे जो यहां पर उपस्थित नहीं हैं जिससे सभी को इसका समुचित लाभ मिल सके। भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉ. अनिल सिन्हा ने कहा कि इस फोरम के माध्यम से महाविद्यालय में सांस्कृतिक नव जीवन की शुरुआत हो रही है। यह फोरम निश्चित रूप से विद्यार्थियों के भीतर सांस्कृतिक चेतना पैदा करने में सहायक होगा। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों द्वारा कॉलेज कल्चर एंड क्रिएटिविटी फोरम का लोगों का भी जारी किया गया। कार्यक्रम में संयोजक विभाग की अध्यक्ष डॉ. आभा जायसवाल, रसायन शास्त्र की विभागाध्यक्ष सरोज तिर्की, संजीव लकडा, डॉ. संगीता पाण्डेय, डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय, राजीव कुमार, सुसन्ना लकड़ा, अनीसा लकड़ा, चेतन कुमार सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

केरल व झारखंड से आए टीम ने दूसरे दिन भी किया अध्ययन भ्रमण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

अध्ययन भ्रमण का दूसरा दिन केरल व झारखंड से आए सदस्यों ने शनिवार को एसएलआरएम सेंटर सहित अन्य मॉडल का जायजा लिया। भारत सरकार आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देश पर स्वच्छ यात्रा के तीसरे चरण में अंबिकापुर अध्ययन भ्रमण पर शक्रवार को देश के 2 राज्य केरल एवं झारखंड से 18 सदस्यीय दल पहुंचे हैं। शनिवार को भी भ्रमण के दूसरे दिवस दल द्वारा सेनेटरी पार्क में ट्रसरी, प्लास्टिक वेस्ट प्लांट , एफएसटीपी, तथा न्यू बस स्टैंड क्षेत्र में डोर टू डोर कलेक्शन, कंपोस्टिंग का का अध्ययन किया गया, भ्रमण के पश्चात स्वच्छता दीक्षा सेंटर में सभी प्रतिभागियों से उनके अंबिकापुर भ्रमण पर फीडबैक लिया गया, जिसमे राज्यों से आए प्रतिभागियों ने अंबिकापुर मॉडल को उत्कृष्ट मॉडल मानते हुए अपने क्षेत्र में इसी तर्ज पर कार्य करने की इच्छा जाहिर की, एवं क्रियान्वयन हेतु भविष्य में सहयोग हेतु अनुरोध किया गया, भ्रमण के समापन पर सभी प्रतिभागियों को नगर निगम अंबिकापुर द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

नौकरी लगवाने के नाम पर 2 लाख 36 हजार की ठगी,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

नौकरी लगवाने के नाम पर युवक से 2 लाख 36 हजार की ठकी के मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार सचिन जायसवाल पिता प्रदीप जायसवाल गांधीनगर थाना क्षेत्र के मुक्तिपारा का रहने वाला है। वर्ष 2022 में इसकी पहचान शहर के शीतला वार्ड निवासी संकल्प तिवारी पिता एसएन तिवारी से हुई थी। संकल्प तिवारी अक्सर अपने दोस्त नितेश कश्यप है। नितेश उप पंजीयक सहकारी समिति में सहकारी निरीक्षक है। दोनों अक्सर एक साथ घुमते फिरते थे। संकल्प भी अपने आप को सहकारी निरीक्षक बताता है। सचिन जायसवाल का भी संकल्प के साथ जान पहचान थी। संकल्प ने सचिन जायसवाल के भाई नितीन जयसवाल की नौकरी अपने विभाग में निरीक्षक के पद पर लगवाने का झांसा दिया। नौकरी लगवाने के लिए चार लाख का डिमांड किया था। सचिन जायसवाल अपने भाई का नौकरी लग जाने का झांसे में आकर संकल्प को नकदी 1 लाख 55 हजार व अपने दोस्त के खाते के माध्यम से 81 हजार रुपए दिया था। 2 लाख 36 हजार रुपए लेने के बाद संकल्प ने फर्जी नियुक्ति पत्र कुलरचित कर दे दिया। फर्जी नियुक्ति आदेश का पता चलने पर सचिन जायसवल ने संकल्प के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया था। पुलिस ने प्रार्थी सचिन जायवाल के रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी संकल्प तिवारी के खिलाफ धारा धारा 420, 467, 468, 471 के तहत अपराध दर्जकर विवेचना शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी संकल्प तिवारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

पेट में चोट लगने से ग्रामीण की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

दो किशोर भाई आपस में लड़ रहे थे। यह देख पिता बीच बचाव करने पहुंचा। बीच बचाव के दौरान पिता गिर गया और पेट में अंदरूनी चोट लग गई। पेट में चोट लगते ही वह उल्टी करने लगा। परिजन उसे इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दिनेश पोया पिता रामदास पोया उम्र 42 वर्ष रामानुजगंज थाना क्षेत्र के पिपरौल का रहने वाला था। शुक्रवार की दोपहर इसके दो किशोर पुत्र आपस में लड़ रहे थे। दोनों बेटों को लड़ता देख दिनेश बीच बचाव करने पहुंचा। बीच बचाव के दौरान दिनेश गिर गया और पेट में अंदरूनी चोट लग गई। पेट में चोट लगते ही वह उल्टी करने लगा। परिजन उसे इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान दिनेश की मौत हो गई।

वैश्विक समस्याओं के निराकरण के लिए विज्ञान के क्षेत्र में उन्नति एक मात्र विकल्प

» संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा मे हुआ अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेन्स ऑन एडवांसमेंट इन साइंस, मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी, सोशल साइंस एण्ड ह्यूमेनिटिज शनिवार से प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता, कुलपति प्रो. अशोक सिंह ने की। उन्होने अपने उद्बोधन में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा अकादमिक एवं शोध संबंधित गतिविधियों में तेजी लाने की ओर अग्रसर है। आदिवासी बहुल्य सरगुजा क्षेत्र में उच्च शिक्षा का प्रचार प्रसार करने के उद्देश्य से इस कांफ्रेन्स का आयोजन किया गया है। उन्होने आगे कहा कि विश्वविद्यालय शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को गुणवश्रापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है एवं इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा छश्रीसगढ़ राज्य एवं अन्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के उच्च शिक्षण संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों से अनुबंध किए गए हैं। उन्होने बताया की यह सरगुजा का ऐसा पहला अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रन्स है जिसमें अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैंड ईस्टर्न शोर एवं ग्लोबल नालेज फाउंडेसन, अमेरिका प्रत्यक्ष रूप से विश्वविद्यालय के सहभागी रहे। उन्होने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा इस प्रकार के अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से भविष्य में भी किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय के भूतपूर्व डीन प्रो. बलदेव राज गुप्ता ने प्रबंधन एवं विज्ञान के क्षेत्र में उन्नति को, वर्तमान समय में प्रचलित वैश्विक समस्याओं के निराकरण हेतु एकमात्र विकल्प बताया। उन्होने 1755 में आए बडे भूकम्प के पश्चात पूर्तगाल, जर्मनी, स्वीडैन एवं अन्य देशो द्वारा प्रबंधन के क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना एवं रूस यूक्रेन यूद्ध के फलस्वरूप भारत-रूस के बीच आर्थिक संबंधों का जिक्र करते हुए प्रबंधन के महत्व को समझाया। कार्यक्रम में ग्लोबल नालेज फाउंडेसन अमेरिका के प्रतिनिधि के रूप में अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर से पधारे प्रो. एच.एस. होता ने बताया कि इस कांफ्रेन्स में अमेरिका, कूवैत, ओमान, स्वीडैन समेत कुल 15 विभिन्न देशों से एवं भारत के विभिन्न राज्यों से शोध पत्र प्राप्त हुए हैं। कार्यक्रम के प्रोग्राम चेयर एवं संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में कम्प्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष हरिशंकर प्रसाद तोण्डे ने बताया कि इस कांफ्रेन्स में 440 लेखकों के कुल 252 शोध पत्र पढ़े जाएंगे एवं 23 आमंत्रित वक्तव्य कुल 15 तकनीकि सत्रों के माध्यम से पूर्ण किए जाएंगे। हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की कुलपति प्रो. अरूणा पल्टा भी इस कार्यक्रम में ऑन लाईन माध्यम से जुडीं एवं उन्होने इस कांफ्रेन्स को सरगुजा क्षेत्र के लिए मील का पत्थर बताया एवं इस आयोजन के लिए उन्होने कुलपति प्रो. अशोक सिंह जी की प्रशंसा करते हुए उन्हे शुभकामनाएं दी। आज के कार्यक्रम में नई दिल्ली से आए डॉ. जयन्त विश्वास, बहरामपुर विश्वविद्यालय, उड़ीसा से डॉ. तमोग्नो आचार्य, भुबनेश्वर से आई हुई डॉ. तृप्ती स्वर्णकार, विश्वविद्यालय वानिकी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आर.एन. खरे, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनउ से आए डॉ. सुभाष यादव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर से डॉ. हरित झा, यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैण्ड से डॉ. दीनेश शर्मा, डॉ. कैथरिन एवं डॉ. केन्दिस रिडलान, बोतस्वाना से डॉ. आर. शिवासामी, फेटेविले यूनिवर्सिटी अमेरिका से डॉ. डेनियल एवं कैनेडा से डॉ. अमिताब सिंह ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के सभी प्राध्यापक, अतिथि शिक्षक तथा समस्त विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। मंच का संचालन श्री खेमकरण अहिरवार एवं आस्था पाठक ने किया तथा कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन फार्मेसी विभाग के डॉ. जुनैद खान के द्वारा किया गया।

संकुल केन्द्र नवापारा और बालक सूरजपुर के सभी प्राथमिक शालाओं में मनाया गया पढ़ई तिहार

» माताओं और बच्चों ने उत्साहित होकर अंगना म शिक्षा मेले में सक्रिय सहभागिता निभाई

- संवाददाता -
सूरजपुर,29 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर के आदेशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा शशिकांत सिंह के निर्देशन और विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार दुबे, विकासखंड स्रोत समन्वयक मनोज कुमार मण्डल तथा सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील पोर्ते के मार्गदर्शन में संकुल केन्द्र नवापारा और बालक सूरजपुर के प्रा.शा. महगवां, प्रा.शा.नवापारा,प्रा.शा.तिलसिवां,प्रा.शा.महुआपारा,प्रा.शा.बालक मानपुर, प्रा.शा.कन्या मानपुर, प्रा.शा.तुरियापारा में अंगना म शिक्षा मेले का आयोजन कर पढ़ई तिहार मनाया गया। इस तिहार में दोनों संकुल के सभी प्राथमिक शालाओं के अंतर्गत माताओं ने अपने बच्चों के साथ आकर अंगना म शिक्षा मेला का आनंद लिया। अंगना म शिक्षा मेले में विभिन्न गतिविधियों एवं घरेलू उपयोग की सामग्रियों के माध्यम से 5 से 6 वर्ष के बच्चों की माताओं को शिक्षा के महत्व एवं बच्चों को स्कूल भेजने के पूर्व तैयारी करके गर्मी की छुट्टियों में अपने बच्चों को पढ़ाई से जोड़े रखने के तरीके सिखाए गए। दोनों संकुल के प्राथमिक शालाओं में अंगना म शिक्षा पढ़ई तिहार अंतर्गत माताओं को नौ काउंटर के द्वारा बच्चों के शारीरिक विकास, सामाजिक, भावनात्मक विकास, क्रियात्मक विकास, बौद्धिक विकास, भाषायी विकास, गणित पूर्व तैयारी, वर्गीकरण, वर्णमाला, संख्या ज्ञान, आकार, रंग के साथ ही संख्याओं के बारे में समझाया गया। इस अवसर पर सहायक जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा दिनेश द्विवेदी और सुरविन्द गुर्जर, संकुल समन्वयक नवापारा अनुरागवेन्द्र सिंह बघेल, संकुल समन्वयक बालक सूरजपुर जितेन्द्र साहू ने अंगना म शिक्षा मेले का निरीक्षण किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संकुल केन्द्र नवापारा और बालक सूरजपुर के प्रधान पाठक रजनी गुप्ता, राजेन्द्र साहू, रामाधार सोनवानी,अभिमन्यु सिंह,छोटेलाल ठाकुर, विनोद सोनवानी, रागिनी सिंह,विनिता सिंह और शिक्षक शांति मिंज, जागृति तिर्की, बबीता जायसवाल, निगार सुलताना, रेखा ओझा, प्रीति पटेल, हेमलता साहू, रीता सरकार, सईदा बानो, मधु वैश्य, नवीन गिद्ध, आरती पूजा एक्का, विकास राज, भैया लाल सिंह का सक्रिय योगदान रहा।

मौत के बाद भी दुष्कर्म:बेटियों की कब्र पर ताला लगाने को मजबूर परिजन,पाकिस्तान में इंसानियत हुई शर्मसार

इस्लामाबाद, 29 अप्रैल 2023। पाकिस्तान से इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक खबर सामने आई है। पाकिस्तानी माता-पिता अब अपनी मृत बेटियों की कब्र पर ताले लगाकर उन्हें दुष्कर्म से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। डेली टाइम्स की रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्टों से पता चला है कि देश में नेक्रोफिलिया के मामले बढ़ रहे हैं।

रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान, जिसे अपने परिवार-उन्मुख मूल्यों पर बहुत गर्व है, वहां हर दो घंटे में एक महिला के साथ दुष्कर्म किया जाता है। यह लोगों के सामूहिक विवेक पर एक कड़ा प्रहार है।

कट्टरपंथी इस्लामवादी विचारधारा को ठहराया दोषी

डेली टाइम्स के संपादकीय में कहा गया है, महिलाओं की कब्रों पर लगे ताले का दिल दहला देने वाला दृश्य पूरे समाज के लिए शर्म से अपना सिर झुकाने के लिए काफी है और यह इस बात को साबित करता है कि समाज तथाकथित महिलाओं को सम्मान की नजरों से देखने की कभी हिम्मत नहीं करता। एक पूर्व-मुस्लिम नास्तिक कार्यकर्ता और ÷द कर्स ऑफ गॉड, व्हाई आई लेफ्ट इस्लाम÷ पुस्तक के लेखक हैरिस सुल्तान ने इस तरह के घृणित कृत्यों के लिए कट्टरपंथी इस्लामवादी विचारधारा को दोषी ठहराया।

सुल्तान ने बुधवार को ट्वीट कर कहा, पाकिस्तान ने इतना कामुक, यौन कुंठित समाज बना लिया है कि लोग अब अपनी बेटियों की कब्र पर ताले लगा रहे हैं ताकि उसके शव के साथ दुष्कर्म न हो। जब आप बुर्के को दुष्कर्म से जोड़ते हैं, तो यह आपके पीछे-पीछे कब्र तक जाता है।

नेक्रोफिलिया के मामले में बेतहाशा वृद्धि

डेली टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह शवों की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए हताशा के रूप में किया जा रहा है, क्योंकि कुछ राक्षस प्रवृति के लोग अपनी वासना को पूरा करने के लिए शवों का सहारा लेते हैं। नेक्रोफिलिया के मामले में बेतहाशा वृद्धि को देखते हुए, इस मामले में कोई मदद नहीं कर सकता, लेकिन प्रियजनों की रक्षा करने की इच्छा को समझा जा सकता है।

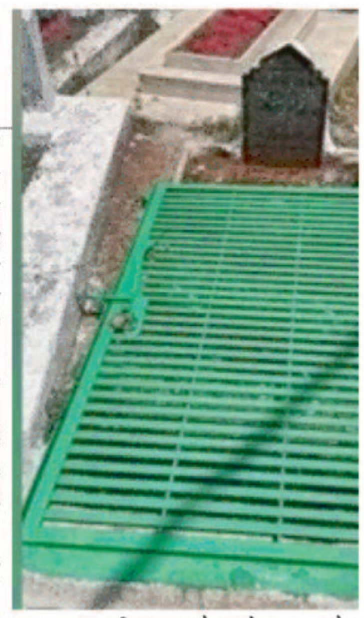

एक अन्य ट्विटर यूजर साजिद यूसुफ शाह ने लिखा, ÷पाकिस्तान द्वारा बनाए गए सामाजिक माहौल ने एक यौन आरोपित और दमित समाज को जन्म दिया है, जहां कुछ लोगों ने यौन हिंसा से बचाने के लिए अपनी बेटी की कब्र पर ताला लगाने का सहारा लिया है। दुष्कर्म और एक व्यक्ति के आवरण के बीच ऐसा संबंध केवल दुख और निराशा से भरे रास्ते की ओर ले जाता है।

2011 में सामने आया था ऐसा मामला

बताया जाता है कि ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसमें महिलाओं के शवों को निकालकर उन्हें अपवित्र किया गया। पाकिस्तान में 2011 में एक नेक्रोफिलिया का मामला सामने आया था, जब कराची के उत्तरी नजीमाबाद में मुहम्मद रिजवान नाम के एक कब्र रक्षक को 48 महिलाओं के शवों के साथ दुष्कर्म करने की बात कबूल करने के बाद गिरफ्तार किया गया था। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार, 40 प्रतिशत से अधिक पाकिस्तानी महिलाएं अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती हैं।

नेक्रोफिलिया क्या है?

ग्रीक में नेक्रो का मतलब शव और फीलिया का मतलब प्यार होता है। इस तरह नेक्रोफीलिया का मतलब मरे हुए लोगों के साथ संबंध बनाकर आनंद हासिल करना होता है। इस विकृति से पीड़ित व्यक्ति शव के साथ संबंध बनाने के लिए आकर्षण महसूस करता है। वह पहले लड़की या औरत की हत्या करता, फिर उसके शव के साथ शारीरिक संबंध बनाता है।

रूस के सस्ते तेल से पाकिस्तान को राहत तो मिलेगी,पर कई चुनौतियां भी खड़ी होंगी

इस्लामाबाद,29 अप्रैल 2023। पाकिस्तान अब रूस से कच्चे तेल का आयात शुरू करने जा रहा है। इसकी पहली खेप मई में किसी समय पाकिस्तान पहुंच जाएगी। इससे विदेशी मुद्रा के घोर संकट से गुजर रहे पाकिस्तान को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक पाकिस्तान सरकार के इस फैसले से कई दूसरी चुनौतियां सामने आ सकती हैं।

पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री मुसादिक मलिक के मुताबिक पाकिस्तान ने इस महीने के आरंभ में रूस को तेल खरीदारी का पहल ऑर्डर दिया। आयात हुए तेल को पाकिस्तान की रिफाइनरी में रिफाइन किया जाएगा। अगर यह प्रयोग सफल रहा, तो पाकिस्तान रोजाना एक लाख बैरल तेल खरीद का आर्डर रूस को दे सकता है। इससे पाकिस्तान की कच्चे तेल की दो तिहाई जरूरत पूरी हो जाएगी। पाकिस्तान सरकार ने यह नहीं बताया है कि वह किस भाव पर रूस से तेल खरीद रही है। लेकिन उसने इस करार को पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ी आर्थिक राहत जरूर बताया है।

एक सरकारी अधिकारी ने अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम को बताया कि पाकिस्तान सरकार 50 डॉलर प्रति बैरल के भाव से तेल खरीदने की कोशिश में है।

कोर्ट ने लगाई शुक्राणु दान करने वाले 41 साल के व्यक्ति पर रोक,600 बच्चों के बन चुके हैं पिता

नई दिल्ली , 29 अप्रैल 2023। नीदरलैंड कोर्ट ने शुक्राणु दान देने वाले 41 वर्षीय व्यक्ति पर रोक लगा दी है। व्यक्ति के शुक्राणु से अबतक 550-600 बच्चों का जन्म हो चुका है। हेग जिला न्यायालय के अनुसार व्यक्ति ने अपने शुक्राणु से जन्म देने वालों बच्चों की संख्या गलत बताई है।

बच्चे बन रहें विशाल रिस्तेदारी हिस्सा का नेटवर्क

माता-पिता अब इस तथ्य का सामना कर रहे हैं कि सैकड़ो सौतेले भाई बहनों के साथ उनके बच्चे विशाल रिश्तेदारी नेटवर्क का हिस्सा बन चुके हैं। हालांकि इस नेटवर्क को उन्होंने नहीं चुना है।

डच गोपनीयता कानून के अनुसार सरकार व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक नहीं कर सकती है, लेकिन स्वास्थ्य मंत्रालय के एक सूत्र ने व्यक्ति की पहचान 41 वर्षीय जोनाथन जैकब मीजर के तौर पर की है। प्रवक्ता गेरिट-जेन क्लेनजान ने लिखा कि डोनर को हर क्लिनिक से समझौता कर लेना चाहिए कि वह अपने शुक्राणु का दान अन्य क्लिनिक में नहीं करेगा।

उन्होंने कहा- ÷जिस व्यक्ति की बात हो रही है उसने भी यह समझौता किया था, लेकिन इसके बावजूद उसने अन्य बैंकों में दान किया जिसके परिणामस्वरूप 102 बच्चे हुए।÷

व्यक्ति ने क्लिनिक में बोला झूठ

अदालत का यह फैसला डच डोनर चाइल्ड फाउंडेशन द्वारा मुकदमा करने के बाद आया। दस्तावेजों के अनुसार व्यक्ति ने अबतक 11 फर्टिलिटी क्लिनिक में शुक्राणु दान दिया है। नीदरलैंड्स के नियमानुसार प्रत्येक क्लिनिक शुक्राणु से 25 बच्चे पैदा करने या अधिकतम 12 माताओं को दान कर सकता है।

अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार व्यक्ति ने हमेशा ही क्लिनिक में झूठ बोला है। शुक्राणु दान के लिए वह जिस भी क्लिनिक में जाता था वहां वह यही कहता था कि इससे पहले उसने कहीं भी शुक्राणु दान नहीं दिया है। 2017 के रिपोर्ट के अनुसार व्यक्ति ने 2007 से 2017 के बीच अपने शुक्राणु से 102 बच्चों को जन्म दिया था। वहीं 2015 से 2018 के बीच उसने डेनमार्क में भी अपने शुक्राणुओं का दान किया है। यही नहीं सोशल मीडिया के लिए वह नीदरलैंड्स और विदेशों में भी अपना शुक्राणु का ऑफर देता था।

एप्पल ने तेज कर दी है चीन में अपना कारोबार समेटने की रफ्तार

ताइपे , 29 अप्रैल 2023। एपल कंपनी ने चीन में अपना कारोबार समेटने का काम तेज कर दिया है। उसने अपने ठेके चीन से बाहर की कंपनियों को देने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसके लिए एपल की नजर ऐसे देशों पर है, जहां फैक्टरी लगाना सस्ता हो और जहां भू-राजनीतिक जोखिम कम हों। इस लिहाज से उसकी निगाह वियतनाम और भारत पर टिकी है।

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी क्वांटा कंप्यूटर एपल के मैकबुक का उत्पादन करने वाली प्रमुख कंपनी है। इसने इसी महीने एक करार पर दस्तखत किया है, जिसके तहत वह वियतनाम में अपना पहला संयंत्र लगाएगी। यह प्लांट नाम दिन्ह नाम की जगह पर लगाया जाएगा। क्वांटा के निदेशक सीटी हुआंग ने कहा है- हम जल्द से जल्द इस फैक्टरी को चालू करने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

विश्लेषकों के मुताबिक उत्पादन को चीन से बाहर ले जाने की योजना वर्षों पुरानी है। इसकी एक वजह यह भी है कि चीन में अब पहले जितनी सस्ती मजदूरी नहीं रही। इससे वहां एपल के उत्पादों की लागत बढ़ गई है। इस बीच अमेरिका और चीन के बीच टेक्नोलॉजी संबंधी

विवाद बढ़ता चला गया है। इसकी शुरुआत 2018 में हुई थी, जब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध शुरू किया था।

वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम की एक रोपर्ट के मुताबिक वियतनाम में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में स्थिर गति से बढ़ोतरी हुई है। पहले खासकर जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की कंपनियां वहां निवेश कर रही थीं। 2019 में वहां 38 बिलियन डॉलर की एफडीआई आई। यह एक दशक पहले की तुलना में 80 फीसदी ज्यादा थी। लेकिन कोरोना महामारी के समय इस ट्रेंड थम गया।

जानकारों के मुताबिक अब क्वांटा का वियतनाम में संयंत्र खोलने का फैसला चीन पर निर्भरता घटाने की अमेरिकी कंपनियों की कोशिश का एक ठोस नतीजा है। ताइवान की एजेंसी ट्रेंडफोर्स के मुताबिक संभावना है कि क्वांटा 2025 तक अपने कुल उत्पादन का 30 फीसदी हिस्सा चीन से बाहर तैयार करने लगेगी।

साल 2023 की पहली तिमाही में वियतनाम में ताइवानी कंपनियों के निवेश में 87 फीसदी तक का उछाल आया है। जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के हनोई स्थित दफ्तर में कार्यरत अनुसंधानकर्ता रयोतारो हागीवारा ने निक्कई एशिया से कहा- खासकर उत्तरी वियतनाम एपल के उत्पादों का खास केंद्र बन गया है। आईफोन की असेंबलिंग करने वाली प्रमुख कंपनी फॉक्सकॉन वियतनाम के उत्तरी प्रांत बेक गियांग में भारी निवेश कर रही है।

भारत में भी एपल के निवेश में तेज बढ़ोतरी हुई है। फॉक्सकॉन ने आईफोन-14 एस का असेंबलिंग प्लांट चेन्नई में लगाया है। इसके अलावा वह कर्नाटक और तेलंगाना में भी अपने प्लांट लगाने की तैयारी में है। ट्रेंडफोर्स का अनुमान है कि साल 2028 तक आईफोन का 30 से 35 फीसदी उत्पादन चीन के बाहर होने लगेगा।

नेपाली पीएम प्रचंड की भारत यात्रा आंतरिक कारणों से जून तक टली,करीबी सहयोगी ने की पुष्टि

काठमांडू, 29 अप्रैल 2023। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल %प्रचंड% की भारत की प्रस्तावित यात्रा हाल के उपचुनावों में झटके सहित आंतरिक कारणों से टल गई है। प्रचंड के करीबी सहयोगी के अनुसार, ऐसी संभावना है कि उनकी पहली विदेश यात्रा जून से पहले नहीं होगी। यह दूसरी बार है जब प्रचंड का भारत दौरा आंतरिक कारणों से टाला गया है। पिछले साल दिसंबर में तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद भारत की यह उनकी पहली विदेश यात्रा होगी।

प्रधानमंत्री प्रचंड के करीबी सहयोगी ने शनिवार को कहा कि नेपाल सरकार आगामी वित्तीय वर्ष के लिए मई के अंत में अपना वार्षिक बजट पेश करने की तैयारी कर रही है और प्रधानमंत्री की भारत यात्रा उसके बाद ही होगी। करीबी सहयोगी अपनी पहचान जाहिर नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि आंतरिक कारणों से प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा में और देरी हुई है और ऐसी संभावना नहीं है कि उनकी यह यात्रा जून से पहले होगी।

इससे पहले सरकार दो मई से तीसरे हफ्ते के बीच प्रचंड के भारत दौरे की तैयारियों में जुटी थी। नेपाल में हाल ही में हुए उपचुनावों के नतीजों ने भी 68 वर्षीय प्रधानमंत्री को देश में राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने के लिए यात्रा पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर किया है। इस महीने जिन तीन सीटों के लिए उपचुनाव हुए थे, उनमें से सत्तारूढ़ गठबंधन को दो सीटें गंवानी पड़ीं। केवल जनता समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष उपेंद्र यादव सत्तारूढ़ गठबंधन के समर्थन से बारा-2 से जीतने में कामयाब रहे।

उपचुनाव में दो सीटों पर जीत हासिल करने वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह वर्तमान स्थिति में प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल नहीं होगी और वह अपने रुख की समीक्षा कर रही है कि गठबंधन सरकार को बाहर से अपना समर्थन जारी रखा जाए या नहीं। टीवी पत्रकार से नेता बने रवि लामिछाने ने चितवन-2 से जीत हासिल की, जबकि जाने-माने अर्थशास्त्री स्वर्णिम वागले ने तन्हू-1 से जीत हासिल की। प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार के अस्तित्व के लिए प्रतिनिधि सभा में 21 सीटों के साथ आरएसपी का समर्थन महत्वपूर्ण होगा।

प्रचंड के आठ दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन में नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-माओवादी केंद्र, सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट, नागरिक उन्मुक्ति पार्टी, जनमत पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनमोर्चा शामिल हैं।

यूएन मुख्यालय में भी लाइव सुना जाएगा मन की बात का 100वां एपिसोड,बिल गेट्स ने भी दी बधाई

नई दिल्ली , 29 अप्रैल 2023। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 100वें एपिसोड का प्रसारण संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम का 100 एपिसोड रविवार 30 अप्रैल को प्रसारित होगा। इस खास मौके पर माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने भी पीएम मोदी को बधाई दी है।

उन्होंने ट्वीट कर कहा- ÷मन की बात ने महिलाओं के आर्थिक, सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, स्वच्छता और अन्य मुद्दों पर विकास के क्षेत्र में जागरूक किया है।÷

इस ऐतिहासिक क्षण पर यूएन ने ट्वीट पर कहा- ÷ऐतिहासिक क्षण के लिए तैयार हो जाइए। पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 100वां एपिसोड का लाइव प्रसारण ञ्रह मुख्यालय में ट्रस्टीशिप काउंसिल चैंबर में भी दिखाया जाएगा।÷

न्यू यॉर्क में भी होगा प्रसारण

मन की बात के 100वां एपिसोड का लाइव प्रसारण भारतीय समयनुसार 30 अप्रैल को सुबह के 11 बजे होगा, तब न्यू यॉर्क में डेढ़ बज रहा होगा। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में रविवार को इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण ऐतिहासिक और अभूतपूर्व होगा।

स्थाई मिशन ने कहा- ÷मन की बात एक मासिक राष्ट्रीय परंपरा बन गई है। ये लाखों लोगों को भारत की विकास यात्रा में भाग लेने के लिए प्रेरित करती है।÷

न्यू जर्सी में कुछ ऐसे होगा कार्यक्रम का प्रसारण

न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास, सामुदायिक संगठन के साथ मिलकर भारतीय-अमेरिकी और प्रवासी समुदाय के लिए न्यू जर्सी में रविवार डेढ़ बजे इस कार्यक्रम की मेजबानी करेंगे।

उन्होंने कहा- ÷रविवार 30 अप्रैल डेढ़ बजे मन की बात देखना भूलना मत। इस कार्यक्रम के 100वें एपिसोड के लिए मिलकर जश्न मनाएंगे। पीएम मोदी भारतीय और प्रवासियों और दुनिया के श्रोताओं से जुड़ेंगे।

उनके साथ रिश्ते बाकियों से अलग,इसकी वजह...

जयशंकर ने बताया क्यों बढ़ रहीं भारत-चीन की दूरियां

सेंटो डोमिंगो,29 अप्रैल 2023। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सभी देशों के साथ उसके संबंध बिना किसी शर्तों के आगे बढ़े। उन्होंने कहा, हाल ही में चीन ने भारत के साथ सीमा समझौतों की अवहेलना की, जिससे द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्थायी संबंध एकतरफा नहीं हो सकते है और इसमें परस्पर सम्मान होना चाहिए।

सेंटो डोमिंगो की यात्रा पर विदेश मंत्री

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर सेंटो डोमिंगो की यात्रा पर पहुंच हुए हैं। डोमिनिकन गणराज्य देश की यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है। वहीं, विदेश मंत्री ने आज देश के उपराष्ट्रपति रकील पेना के साथ डोमिनिकन गणराज्य में भारत के दूतावास का उद्घाटन किया है। उद्घाटन समारोह के दौरान वहां डोमिनिकन के उपराष्ट्रपति समेत कई नेता मौजूद रहे थे।

पाकिस्तान से आतंकवाद की वजह से नहीं अच्छे संबंध

डोमिनिकन गणराज्य के राजनयिक स्कूल के बच्चों से शुक्रवार को बातचीत करते हुए भारत के विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने पूरे क्षेत्र में कनेक्टिविटी, संपर्क और सहयोग में बड़े पैमाने पर विस्तार देखा है। हालांकि, सीमा पार आतंकवाद के मद्देनजर पाकिस्तान इसका अपवाद बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि अधिकतर देशों से भारत का संबंध अच्छे हैं। चाहे वह अमेरिका, यूरोप, रूस या जापान हो हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि ये सभी संबंध बिना किसी शर्त पर आगे बढ़ें। जयशंकर ने कहा कि चीन से वर्तमान में हमारे संबंध सामान्य नहीं हैं क्योंकि वह लगातार सीमा पर उल्लंघन करता रहता है।

गौरतलब है, भारत पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन द्वारा बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती और उसके आक्रामक व्यवहार की आलोचना करता रहा है, जो सीमा प्रबंधन पर समझौते का उल्लंघन है।

पूर्वी लद्दाख में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच लंबे समय से गतिरोध बना हुआ है। पैंगोंग झील क्षेत्रों में हिंसक झड़प के बाद पांच मई, 2020 को हुए गतिरोध का समाधान करने के लिए दोनों पक्षों ने अब तक कोर कमांडर स्तर की 16 दौर की वार्ता की है। वर्ष 2009 से 2013 तक चीन में भारत के राजदूत रहे जयशंकर ने कहा कि संबंध एकतरफा नहीं हो सकते और इसे बनाए रखने के लिए परस्पर सम्मान होना चाहिए।

50 अरब डॉलर के करीब व्यापार

इससे पहले जयशंकर ने गुरुवार को कोलंबिया में कहा, भारत लैटिन अमेरिका के साथ अपना व्यापार बढ़ाना चाहता है जो 50 अरब डॉलर के करीब पहुंच रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि खनन, ऊर्जा, कृषि और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में निवेश में अच्छी खासी ग्रोथ से इसे और बढ़ावा मिलेगा।

लैटिन अमेरिका के चार देशों की यात्रा पर

कोलंबिया की राजधानी में भारत-कोलंबिया बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लैटिन अमेरिका के चार देशों की उनकी यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र के साथ भारत के सहयोग के स्तर को और अच्छा करना है। उन्होंने कहा कि आज यहां आने का हमारा उद्देश्य लैटिन अमेरिका में भारत की बढ़ती उपस्थिति को उजागर करना है। हमारे बीच व्यापार सालाना 50 अरब डालर तक पहुंच रहा है। हमारी कंपनियां ऊर्जा, खनन से लेकर कृषि व ऑटो क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां लैटिन अमेरिका में परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही हैं, जिसमें बुनियादी ढांचा, बिजली पारेषण और खनन शामिल हैं। साथ ही शिपिंग और विमानन क्षेत्र में भी उत्पाद वितरित कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि हमारा व्यापार का संबंध है। हम स्वाभाविक रूप से इसका विस्तार करना चाहते हैं।

महामारी के दौरान भारत ने साबित किया कि यह दुनिया की फार्मेसी है

जयशंकर ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने लगभग 100 देशों को टीके और 150 देशों सहित विकसित देशों को दवाओं की आपूर्ति करके सही मायने में स्थापित किया कि यह दुनिया की फार्मेसी है। उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि कोविड-19 ने हम सभी को स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनाया है, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों के बारे में भी जागरूक किया है। लागत भी एक प्रासंगिक कारक है। यदि हम अधिक स्रोतों, क्षेत्रीय उत्पादन और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण को देख रहे हैं, तो मैं कोलम्बियाई दोस्तों को सुझाव दूंगा कि भारतीय उद्योग आपका स्वाभाविक भागीदार है।

भारत और कोलंबिया के बीच जुड़ते संबंधों पर जयशंकर ने कहा कि भारत में एक पारंपरिक चिकित्सा और कल्याण प्रथा भी है, जिसके मजबूत व्यावसायिक प्रभाव हो सकते हैं। गौरतलब है, जयशंकर गुयाना, पनामा, कोलंबिया और डोमिनिकन गणराज्य की नौ दिवसीय यात्रा पर हैं। विदेश मंत्री के रूप में इन लैटिन अमेरिकी देशों और कैरेबियाई देशों की उनकी पहली यात्रा है।

डोमिनिकन में भारतीय दूतावास का उद्घाटन

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने डोमिनिकन गणराज्य में भारत के दूतावास का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह द्विपक्षीय सहयोग को एक नया आयाम देगा। बता दें, भारत के विदेश मंत्री सेंटो डोमिंगो की यात्रा पर पहुंचे हैं। बता दें, उद्घाटन समारोह के दौरान डोमिनिकन के उपराष्ट्रपति समेत कई नेता मौजूद रहे।

उद्घाटन समारोह के बाद जयशंकर ने कहा कि हमारे राजनीतिक संबंध सौहार्दपूर्ण हैं और हम बहुपक्षीय क्षेत्रों में अपने संबंधों को और अधिक मजबूत करते रहेंगे। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारे रेजीडेंट मिशन की उपस्थिति सहयोग के नए चरण को चिह्नित करेगी और द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक क्षेत्रों में हमारे संबंधों को मजबूत करने में मदद करेगी।

जमीन का रकबा घटा बढ़ाकर धान बेचने मामले में जिस नायब तहसीलदार की भूमिका थी संदिग्ध..जांच होने के बजाय प्रमोशन देकर बनाया गया तहसीलदार

- नायब तहसीलदार रहते हुए खूब की मनमानी,जिसका मिला बड़ा ईनाम,अब क्या तहसीलदार बनकर कोरिया की तरह सूरजपुर में भी करेंगे मनमानी?
- सूरजपुर कलेक्टर को उनके यहां गए तहसीलदार पर देना होगा विशेष ध्यान,नहीं तो उनके क्षेत्र की जनता भी होगी परेशान
- पटना नायब तहसीलदार को पद से पृथक कर इन पर जहां विभागीय जांच बैठानी थी वहां पर सिर्फ कारण बताओ नोटिस जारी हुआ था
- कारण बताओ नोटिश देकर उन्हें कार्यवाही से बचाया जा गया था
- पटना तत्कालीन नयब तहसीलदार की कार्यप्रणाली सबसे निम्न स्तर की थी जो आज भी चर्चा का विषय है
- तत्कालीन नायब तहसीलदार के आईडी से घटता व बढ़ता रहा रकबा फिर भी तहसीलदार अनजान थे कैसे?
- किसान से धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपियों पर केस दर्ज,जिस आईडी से हुआ हेरफेर वह आईडी थी तहसीलदार कीःसूत्र
- तहसील कार्यालय में तहसीलदार अनाधिकृत व्यक्ति को निजी तनख्वाह पर रख करते हैं इतना भरोसा कि अपनी आईडी तक दे देते
- क्या अपनी आईडी किसी अनाधिकृत व्यक्ति को देना उचित,कहीं तत्कालीन नायब तहसीलदार भी तो इसमें नहीं थे शामिल?
- किसान ने तहसील कार्यालय के कर्मचारियों से मिलकर रकबा परिवर्तन कर लाखों का लाभ लिया,तत्कालीन नायब तहसीलदार की भूमिका संदिग्ध
- राजस्व विभाग का सारा दारोमदार होता है तहसीलदार पर,व्यक्तिगत आईडी का गैर जिम्मेदार व्यक्ति के पास पाया जाना बनाता था मामले को संदिग्ध

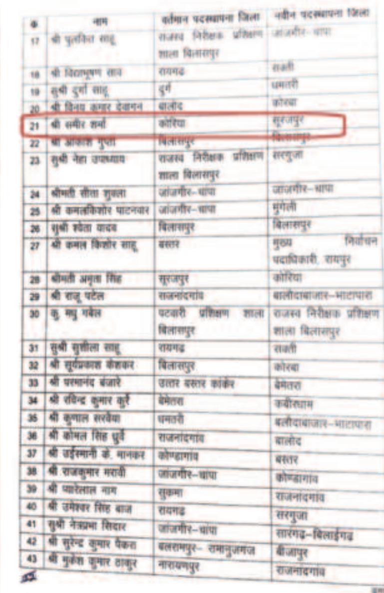

क्र	नाम	वर्तमान पदस्थापना जिला	नवीन पदस्थापना जिला
17	श्री पुलकित साहू	राजस्व निरीक्षक प्रशिक्षण शाला बिलासपुर	जांजगीर-चांपा
18	श्री विद्याभूषण साव	रायगढ़	सक्ती
19	सुश्री दुर्गा साहू	दुर्ग	धमतरी
20	श्री विनय कुमार देवांगन	बालोद	कोरबा
21	श्री समीर शर्मा	कोरिया	सूरजपुर
22	श्री आकाश गुप्ता	बिलासपुर	बिलासपुर
23	सुश्री नेहा उपाध्याय	राजस्व निरीक्षक प्रशिक्षण शाला बिलासपुर	सरगुजा
24	श्रीमती सीता शुक्ला	जांजगीर-चांपा	जांजगीर-चांपा
25	श्री कमलकिशोर पाटनवार	जांजगीर-चांपा	मुंगेली
26	सुश्री श्वेता यादव	बिलासपुर	बिलासपुर
27	श्री कमल किशोर साहू	बस्तर	मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, रायपुर
28	श्रीमती अमृता सिंह	सूरजपुर	कोरिया
29	श्री राजू पटेल	राजनांदगांव	बलौदाबाजार-भाटापारा
30	कु. मधु गबेल	पटवारी प्रशिक्षण शाला बिलासपुर	राजस्व निरीक्षक प्रशिक्षण शाला बिलासपुर
31	सुश्री सुशीला साहू	रायगढ़	सक्ती
32	श्री सूर्यप्रकाश केशकर	बिलासपुर	कोरबा
33	श्री परमानंद बंजारे	उत्तर बस्तर कांकेर	बेमेतरा
34	श्री रविन्द्र कुमार कुर्रे	बेमेतरा	कबीरधाम
35	श्री कुणाल सरवैया	धमतरी	बलौदाबाजार-भाटापारा
36	श्री कोमल सिंह धुर्वे	राजनांदगांव	बालोद
37	श्री उईस्मानी के. मानकर	कोण्डागांव	बस्तर
38	श्री राजकुमार मरावी	जांजगीर-चांपा	कोण्डागांव
39	श्री प्यारेलाल नाग	सुकमा	राजनांदगांव
40	श्री उमेश्वर सिंह बाज	रायगढ़	सरगुजा
41	सुश्री नेत्रप्रभा सिदार	जांजगीर-चांपा	सारंगढ़-बिलाईगढ़
42	श्री सुरेन्द्र कुमार पैकरा	बलरामपुर- रामानुजगंज	बीजापुर
43	श्री मुकेश कुमार ठाकुर	नारायणपुर	राजनांदगांव

घटती घटना | अम्बिकापुर, सोमवार 06 मार्च 2023 | 4

पटना नायब तहसीलदार को पद से पृथक कर इन पर जहां विभागीय जांच बैठानी थी वहां पर सिर्फ कारण बताओ नोटिस क्यों?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर/सूरजपुर 29 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

राजस्व मामले में लोगों को परेशान करने वाले को आखिर कैसे मिल जाता है प्रमोशन एवं मनचाहे जगह पोस्टिंग? यह सवाल इस समय इसलिए उत्पन्न हो रही है, क्योंकि हाल ही में राज्य सरकार द्वारा राजस्व विभाग के तहसीलदारों का प्रमोशन लिस्ट व ट्रांसफर लिस्ट निकाला गया है। अब उसमें सूची में एक ऐसे नायब तहसीलदार का नाम है, जो पटना नायब तहसील कार्यालय में पदस्थ अपने कार्यकाल के दौरान उनके आईडी से रकबा घटा बढ़ाकर धान बेचा गया,जिसमें अपराध भी पंजीबद्ध हुआ, पर वही नायब तहसीलदार ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया की आईडी तो कर्मचारी के पास थी और उसने मुझे बिना जानकारी दिए यह सब किया है और वह इस मामले से बचकर निकलने का पूरा प्रयास किये। पर सवाल वही है कि जब आईडी इनकी थी तो जांच की आंच इन तक क्यों नहीं पहुंची? आखिर उस मामले के बाद 27 अप्रैल को आदेश जारी हुआ जिसमें अब यह नायाब तहसीलदार, तहसीलदार हो गए हैं, और अब अपनी सेवाएं सूरजपुर में देंगे। ऐसे में सवाल यह उठता है जहां पर उस मामले में इन पर विभागीय जांच होनी थी, वहां पर सारी चीजों को नजरअंदाज करते हुए इन्हें उस मामले के बदले में इनाम स्वरूप प्रमोशन देकर नायब तहसीलदार से तहसीलदार बना दिया गया। अब क्या तहसीलदार साहब सूरजपुर में भी जाकर वैसे ही मनमानी चलाएंगे जैसा वह पटना उप तहसील कार्यालय में चला रहे थे।

होनी थी विभागीय जांच परंतु पदोन्नति देकर किया गया उपकृत

विगत वर्ष धान खरीदी के समय उप तहसील पटना के नायब तहसीलदार की आईडी से किसानों के रकबा को अवैध तरीके से बढ़ाकर धान बिक्री का मामला सामने आया था। जिसमें अपराध पंजीबद्ध हुआ था। क्योंकि यह कृत्य नायब तहसीलदार की आईडी से हुआ था, अतः पूरी जवाबदारी और जवाबदेही भी नायाब तहसीलदार की थी, और यह कोई पहला कृत्य नहीं अपितु दुहराव का मामला था। मामले में एफ आई आर दर्ज हुई और जिन कृषकों के रकबे में बढ़ोतरी की गई थी, उन्हें उच्च न्यायालय से जमानत लेनी पड़ी। परंतु रकबे में परिवर्तन के जो मूल कारण थे, उन पर न तो कोई आंच आई, ना ही कोई विभागीय जांच हुई। नायब तहसीलदार महोदय यह कह कर बच निकले की उनकी आईडी उनके अधीनस्थ कार्य कर रहे ऐसे कर्मचारी के पास थी, जो शासकीय भी नहीं है। जिसे तहसीलदार साहब ने व्यवस्था के तहत अपने अधीनस्थ रखे काम पर रखा था। मामले में बड़ा सवाल यह भी है कि यदि आईडी अधीनस्थ कर्मचारी के पास थी और उसने नायब तहसीलदार की जानकारी के बगैर अगर रखने में हेरफेर की गड़बड़ी की तो उसके विरुद्ध भी एफआईआर क्यों नहीं दर्ज हुई? और सबसे बड़ा बात यह है कि अवैधानिक तरीके से अपनी आईडी गैर शासकीय कर्मचारी को देना कहां तक उचित है? क्योंकि नायब तहसीलदार की आईडी से हजारों किसानों के राजस्व का मामला जुड़ा रहता है, इतने बड़े मामले में जहां एफ आई आर दर्ज होनी चाहिए थी, विभागीय जांच होनी चाहिए थी, वहीं पदोन्नति देकर उपकृत करना कहां तक जायज है।

अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए सिर्फ नोटिस जारी

ज्ञात हो की कोरिया जिले के कलेक्टर ने आज राजस्व मामलों में लापरवाही करने पर दो तहसीलदारों को अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए नोटिस जारी कर दिया है वहीं, एक पटवारी को निलंबित कर दिया है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में आज राजस्व अधिकारियों की बैठक हुई बैठक में कलेक्टर ने राजस्व से संबंधित विभिन्न प्रकरणों, अविवादित व विवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, व्यपवर्तन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए प्रगति की जानकारी ली इस दौरान तहसील बैकुंठपुर और पटना में संतोषजनक प्रगति ना पाए जाने पर कलेक्टर द्वारा तहसीलदार बैकुंठपुर और प्रभारी तहसीलदार पटना को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है एक पटवारी को सस्पेंड करने के साथ ही विभागीय जांच के आदेश दिए। मौजूदा कार्यवाही को देखते हुए एक सवाल भी उत्पन्न हो रहा है कि आखिर पटना तहसीलदार पर मेहरबानी क्यों? जहां पर इनके खिलाफ कई गंभीर शिकायतें हैं वहीं इन्हीं के कार्यकाल में इनकी आईडी से जमीन की हेराफेरी का मामला भी सामने आया था उसके बावजूद इन्हें जिसके खिलाफ पर शिकायत कर एफआईआर पंजीबद्ध करा बचना चाह उसी को तहसील कार्यलय में बुलाकर काम भी कराते हैं फिर भी इनके ऊपर कार्यवाही नहीं की जाती क्यों? कार्यवाही हुई भी तो सिर्फ दिखावा, जबकि इनका भी वेतन रोक कर इन पर विभागीय जांच बैठाना था वह भी जमीन रकबा घटाने बढ़ाने वाले मामले में पर ऐसा करना उच्च अधिकारियों ने उचित नहीं समझा आखिर इसकी वजह क्या है या फिर इन्हें बचाने का पूरा प्रयास हो रहा है? इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता।

नायब तत्कालीन तहसीलदार के कार्यकाल में आम जनता थी परेशान, अब तहसीलदार बनने पर क्या होगा जनता का?

पटना उप तहसील में तत्कालीन नायब तहसीलदार के कार्यकाल में आम जनता थी परेशान नकल लेने तक के लिए लगाने पड़ते थे तहसील कार्यालय के चक्कर और महीनों तक नहीं मिल पाता था नकल, ऐसे तमाम तरीके के मामलों में आम जनता तत्कालीन नायब तहसीलदार से इस कदर परेशान थे कि उनके जाने की विनती किया करती थी, पटना उप तहसील में अभी तक कई तहसीलदार आए व गए पर इतनी परेशानी किसी से नहीं थी जितने की तत्कालीन नायब तहसीलदार से लोगों को हुई, उनके जाने के बाद लोगों में हर्ष व्याप्त था पर अब सवाल यह है कि जिस कदर उप तहसील कार्यालय में लोग परेशान थे क्या इसी प्रकार सूरजपुर में पदोन्नत होकर तहसीलदार बनने के बाद गए तहसीलदार वहां के लोगों को भी उसी कदर परेशान करेंगे? क्या वहां पर भी उन्हें मनचाहा तहसील कार्यालय मिलेगा? क्योंकि उनकी पत्नी उनसे ऊंचे पद पर कोरिया में पदस्थ है उन्हीं के मेहरबानी से अभी तक तत्कालीन नायब तहसीलदार कई मामलों में बचते भी आए।

पटना के पूर्व नायब तहसीलदार आरोपी से ही ले रहें हैं तहसील कार्यालय में कार्य

पटना में पदस्थ तहसीलदार तहसील कार्यालय में ही गड़बड़ी करने वाले आरोपी को तहसील में बुलाकर काम ले रहें हैं जिसके ऊपर यह आरोप है की उसने तहसीलदार की आईडी से रकबा बढ़ाकर किसी को फायदा पहुंचाने की कोशिश की थी, मामला संज्ञान में लाने के बाद तहसीलदार ने ही उक्त युवक के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज कराई थी और जिसमे कोई कार्यवाही होने से पहले ही उसे तहसील में बुलाकर पुनः उससे काम लेना उन्होंने शुरू कर दिया जबकि मामले में उसकी गिरफ्तारी की जानी चाहिए थी और स्वयं तहसीलदार को पुलिस की इसमें मदद करनी थी।

तहसील कार्यालय दलालों का बना हुआ है अड्डा

पटना उप तहसील वर्तमान में दलालों का अड्डा बना हुआ है यह कहना भी गलत नहीं होगा। तहसील कार्यालय में हर काम का मूल्य तय है और किसी भी मामले में दलालों के माध्यम से ही काम होना संभव हो पा रहा है जिससे तहसील आने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और बिना दलालों के उनका काम नहीं होता। दलाल भी अपनी पैनी नजर तहसील आने वालो पर बनाए रहते हैं और हर तहसील आने वाले को मूल्य बताते है।

यह था मामला

कोरिया जिले में एक गजब का मामला सामने आया है। यह मामला पटना तहसील व पटना धान खरीदी केंद्र से जुड़ा हुआ है। जहां पर एक किसान धान बेचने के लिए तहसील कार्यालय से जमीन का रकबा बढ़वाता था और फिर धान बेचने के बाद राशि आहरण कर उस रकबा को कम करवा देता था। यह खेल कब से चल रहा है, यह तो जांच का विषय है। परंतु ऐसा करके किसान ने काफी राशि का लाभ अर्जन किया। संदेह होने पर जब मामले की जांच की गई तो जांच में यह पाया गया कि उक्त किसान अन्य व्यक्तियों के रकबे को अपने खाते में शामिल करा कर समिति में धान बेचता था, एवं राशि आहरण पश्चात अपने रकबे को मूल रूप से परिवर्तित करा लेता था। चूंकि समिति में पंजीकृत किसानों के रकबे में परिवर्तन तत्संबंधित तहसीलदार की आईडी से ही संभव होता है, अतः कहीं ना कहीं पूरे मामले में संबंधित तहसीलदार एवं वहां कार्यरत कर्मचारियों की भूमिका भी संदेहास्पद है। बगैर मिलीभगत के रकबा में परिवर्तन का यह खेल संभव नहीं है। इस पूरे मामले में सहकारी समिति के कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध है, क्योंकि रकबे के पंजीयन की कार्यवाही वहीं से प्रारंभ होती है।

ग्राम पंचायत साल्ही रोजगार सहायक को हटाने को लेकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सौंपा पत्र

- संवाददाता -
एमसीबी, मनेंद्रगढ,29 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिला अध्यक्ष ने बताया है दिनांक 27 अप्रैल 2023 मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ जिला एमसीबी। ग्राम पंचायत साल्ही रोजगार सहायक को एक सप्ताह के अंदर हटाए जाने की मांग की है। ग्राम पंचायत साल्ही रोजगार सहायक बैजनाथ सिंह के विरूद्ध कई बार कार्यवाही होने के बाद भी काफी लम्बे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ है। जबकि उसका कार्य व्यवहार इस प्रकार है। पिछले तीन वर्षों से जनप्रतिनिधि, वार्ड पंच, उपसरपंच का कोई मान सम्मान व महत्व नहीं दिया जाता है। अपना मनमाना तरीके से कार्य करते आ रहे है। रोजगार सहायक का जनप्रतिनिधियों के साथ उसका कार्य व्यवहार ठीक नहीं है। विवादित व्यक्ति है। रोजगार सहायक के विरूद्ध दो बार कार्यवाही भी हो चुका है स्थानान्तरण को लेकर, मस्टर रोल में फर्जी हाजरी भरने के विरुद्ध दोषारोपण सिद्ध हो चुका है। इनके द्वारा सरपंच और विधायक जी का अपना करीबी बताता है, और इसका फायदा उठाकर आज तक कोई कार्यवाही इसके विरूद्ध क्यों नहीं हो रही हैं। दबंग और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त रोजगार सहायक को एक सप्ताह के भीतर तत्काल हटाया जावे, ऐसा नहीं करने पर विधायक महोदय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ का घेराव एवं चक्का जाम कर प्रदर्शन किया जायेगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

मधुमक्खी के हमले से 49 वर्षीय राजेश मिश्रा गंभीर रूप से घायल

- संवाददाता -
सूरजपुर,29 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

शनिवार को बसदेई नवोदय विद्यालय के सामने मधुमक्खी के हमले से 49 वर्षीय राजेश मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलावस्था में स्थानीय जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया । जिसकी सूचना तत्काल सीएमएचओ डॉ आर एस सिंह व सिविल सर्जन डा आर के त्रिपाठी को दी गई इनके निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग टीम के द्वारा तत्काल समुचित उपचार कराया गया।के द्वारा अच्छा से उपचार किया गया जिससे अब स्थिति सामान्य बताई जा रही है प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत मिश्र पारा बतरा निवासी अपने बच्ची को परीक्षा दिलाने नवोदय विद्यालय बसदेई गए हुए थे विद्यालय के सामने बैठकर अपने बच्ची का परीक्षा संपन्न होने का इंतजार कर रहे थे इसी दौरान सैकड़ों मधुमक्खियों अचानक पूरे शरीर में हमला कर काट लिया। इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में वहां उपस्थित लोगों के सहयोग से जिला चिकित्सालय लाया गया जहां डा रोहित पटेल डा महामाया प्रताप सिंह डा दीपक जायसवाल स्टाफ नर्स निधि श्रीवास्तव ड्रेसर आर पी गौतम सहित अन्य चिकित्सक व स्टाफ की सक्रियता से सैकड़ों की संख्या में मधुमक्खी के कांटे निकाल कर जान बचाई गई।बताया जाता है कि इस इलाके में मधुमक्खियों के कई छत्ते हैं। ये बराबर इधर से आनेजाने वालों पर हमला कर देती हैं। इसके पहले भी कई लोग इनके हमले से घायल हो चुके हैं।

प्रधान आरक्षक तेज कुमार मिंज हुए सेवानिवृत्त,एसपी त्रिलोक बंसल ने दी भावभीनी विदाई

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,29 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

जिला पुलिस बल कोरिया छत्तीसगढ़ के प्रधान आरक्षक तेज कुमार मिंज दिनांक 30 अप्रैल 2023 को अधिवार्षिकीय आयु पूर्ण कर सेवा निर्मित हो रहे हैं, इस हेतु आज रक्षित केंद्र के कॉन्फ्रेंस हॉल में पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल द्वारा शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर ससम्मान विदाई दिया गया। पुलिस अधीक्षक कोरिया के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक कार्यालय के स्टॉफ द्वारा सेवानिवृत होने पर सेवानिवृत होने की तिथि को ही देय स्वत्वों जैसे अवकाश नगदीकरण, परिवार कल्याण निधि, समूह बीमा योजना, डीपीएफ फाइनल पेमेंट एवं उपादान की राशि सहित सम्पूर्ण भुगतान कर दिया गया है, गौरतलब हो कि इससे पूर्व सेवानिवृत होने पर सम्पूर्ण देय स्वत्वों की राशि एवं पेंशन प्रकरणो में सेवानिवृत कर्मचारियों को 06 माह अथवा 01 वर्ष से भी ज्यादा की अवधि तक बार-बार एसपी कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता था, इस हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा सेवानिवृत तिथि को ही सम्पूर्ण भुगतान करने का आदेश दिया गया है, एसपी कोरिया ने आगे बताया कि अब से सेवानिवृत के हर प्रकरण में सेवानिवृत तिथि को ही उसे सम्पूर्ण भुगतान किया जायेगा। इस उपलक्ष्य में जिले के उप पुलिस अधीक्षक श्याम लाल मधुकर, नेलशन कुजूर, रक्षित निरीक्षक रमेश पूरेना समेत समस्त जिले के अधिकारी / कर्मचारी मौजूद रहे।

विधायक की घोषणा के एक साल बाद भी नही मिली कार्य की स्वीकृति न विधायक पहुँची ग्राम!

- विधायिका अम्बिका सिंह ने ग्राम में मनरेगा के विकास कार्यो का पूर्व में किया था भूमि पूजन

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,29 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

विधायक अम्बिका सिंहदेव अपने विधानसभा के हर ग्रामीण क्षेत्र में लगभग दौरा करती हैं ग्रामीणों की मांग पर सौगात भी दे जाती हैं किंतु ग्राम से जाते ही इनकी घोषणा की स्वीकृति नही मिल पाती न ही विधायक जी ग्राम तक पहुँच पाई यह हमारा नही बल्कि ग्राम पंचायत चिरगुड़ा के ग्रामीणों का कहना है । यही कारण है कि हाल ही में कोचिला दौरे के दौरान ग्रामीणों में नाराजगी भी देखने को मिला।

मिली जानकारी अनुसार बैकुंठपुर विकासखंड में अपने एक दिवसीय कार्यक्रम के तहत एक फरवरी 2022 को माह के पहले दिन स्थानीय विधायक ग्राम पंचायत चिरगुड़ा पहुची जहा पहली बार ग्राम में आने पर ग्रामीणों में खुशी देखी गई। यहां उनके मुख्य अतिथि में ग्राम पंचायत मे बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमि पूजन किया गया जिसमे मनरेगा का कार्य व विधायक निधि से पूर्व में स्वीकृत कार्य का भूमिपूजन किया गया । इस दौरान विधायक ने आमजनों से जनसम्पर्क कर सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराते हुए उपलब्धियों की जानकारी भी दी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार विधायक अम्बिका सिंहदेव ने ग्राम पंचायत चिरगुड़ा में मनरेगा से 14 लाख 42 हजार की लागत से नवीन पंचायत भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इसी क्रम में इसी पंचायत में मनरेगा से 14.52 लाख की लागत से दो प्राथमिक शाला के पास बाउंड्री वाल निर्माण कार्य व ग्राम पंचायत के ईमली पारा में विधायक निधि से 5 लाख की लागत से पूर्व में स्वीकृत सीसी सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया गया जहा विधायक निधि से कोई विशेष उपलब्धि नही रहा फिर भी ग्राम में पहली बार आने पर ग्रामीणों में खुशियां थी कि अब विकास ग्राम के अंतिम व्यक्ति तक भी पहुँच जायेगा किन्तु विधायक के द्वारा घोषणा की गई दो कार्यो की स्वीकृति ही विधायक जी नही दिला पाई जिससे ग्रामीणों में विधायक की घोषणा मात्र दिखावा था यह जन चरचा का विषय बना हुआ है ।जबकि इस कार्यक्रम के दौरान बैकुंठपुर विकासखंड के जनपद अध्यक्ष शौभाग्यवती सिंह कुसरो ,जनपद उपाध्यक्ष आशा महेश शाहू ,जनपद सदस्य रमाशंकर शाहू ,जनपद सदस्य चांदनी सोनी ,सरपंच देवकुमारी सिंह व अमहर के सरपंच के उपस्थित सहित जनप्रतिनिधि व ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ग्राम के अंतिम छोर तक विकास पहुंचा रही प्रदेश की भूपेश सरकारःअम्बिका सिंहदेव

विधायक सिंहदेव ने किया 52 लाख के विकास कार्यों का भूमि पूजन व लोकार्पण

क्या कहा था विधायक ने

विधायक ने ग्राम पंचायत चिरगुड़ा में कहा कि प्रदेश की संवेदनशील भूपेश सरकार ग्राम के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को हरसंभव सहायता पहुंचाई जा रही है।वही ग्रामीणों की मांग पर चिरगुड़ा में मुक्ति धाम की मांग पर कार्य की स्वीकृति दिलाने की बात कही साथ ही युवाओं की मांग पर स्थानीय कार्यक्रम के लिए एक मंच हेतु शेड निर्माण अटल चौक की मांग जल्द पूरा करने की बात कह कर विधायक निधि से स्वीकृति दिलाने की बात कही किन्तु विधायक के जाते ही न कार्य की स्वीकृति मिली न ही स्थानीय विधायक ग्राम तक पहुँच पायी ।

नारायण सिंह उप सरपंच ग्राम चिरगुड़ा

स्थानीय विधायक जी के द्वारा पिछले वर्ष ग्राम में मनरेगा के कार्यो का भूमिपूजन एक फरवरी को किया गया था साथ ही ग्रामीणों की मांग पर दो कार्यो की सौगात की घोषणा ग्रामीणों के उपस्थित में किया गया किन्तु कार्य की स्वीकृति नही हुआ है क्यो नही हुआ इस बारे में पंचायत को जानकारी नही है।

जमीन दलालों ने फर्जी तरीके से कराई रजिस्ट्री, तहसीलदार ने दिया जांच का आदेश

- राजा मुखर्जी -
कोरबा,29 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

जिले में जमीन दलालो ने एक बार फिर बड़ा कारनामा करते हुए फर्जी चौहद्दी बनाकर बीच शहर में जमीन कि रजिस्ट्री कर दी है। शिकायत के बाद कोरबा तहसीलदार ने जमीन विक्रेता पर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है ।

भू-माफियाओं का गढ़ बने ऊर्जाधानी में राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से एक से बढ़कर एक कारनामें हो रहे हैं। ताजा मामला फर्जी चौहद्दी बनाकर रजिस्ट्री करने का है। तहसील कार्यालय से मिली जानकारी की माने तो मुड़ापार और डीडीएम रोड के तीन प्लॉटों की बिना पटवारी के चौहद्दी बनाकर रजिस्ट्री कराई गई है। फर्जीवाड़े की जानकारी मिलने के बाद कोरबा तहसीलदार मुकेश देवांगन ने गलत तरीके से दस्तावेज बनाकर रजिस्ट्री कराने वाले भू-माफियाओं पर अपराध दर्ज करने का निर्देश दिए है. सर्वाधिक सनसनीखेज बात यह भी उजागर हुई हैं की कुछ जमीनों का शासकीय तौर पर नहर निर्माण हेतु विधिवत मुआवजा भुगतान के बाद अधिगृहीत कर नहर का निर्माण किया गया हैं और वर्तमान में उन जमीनों के ऊपर से नहर का पानी बह रहा हैं वही दुसरी और अधिगृहीत की गयी उन्ही खसरा नंबर की जमीनों पर, ऐसी भूमि पर समानांतर तौर पर बड़ी-बड़ी इमारते खड़ी कर दी गयी हैं। उदाहरण के तौर पर खसरा नंबर 637/2 का शासकीय दस्तावेज देखे जा सकते हैं ।

पहले भी पटवारी की शासकीय सील चोरी कर बना चुके है नकली दस्तावेज

ऊर्जानगरी के ऊर्जावान जमीन दलालो ने बड़े-बड़े कारनामे करते हुए गलत दस्तावेज तैयार कर रजिस्ट्री करा दी है। पूर्व में पटवारी की सील चोरी कर भू-माफियाओं ने फर्जी दस्तावेज तैयार करने की थ्योरी लिखकर बेशकीमती जमीन की रजिस्ट्री करा दी थी। हालांकि षड्यंत्रपूर्वक पटवारी की सील लगाकर, कूटरचित हस्ताक्षर कर करोड़ो की जमीन की बिक्री के मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नही हुई है। भू-माफियाओं पर कार्रवाई के अभाव में जमीन खरीद-फरोख्त में लगे जमीन दलालो के हौसले चरम पर है.

ये मामले भी हैं जांच के दायरे में

डीडीएम रोड में खसरा नम्बर-670/4 की आदिवासी भूमि को सामान्य बनाकर ऊंची कीमत पर बिक्री किया गया है। इसी तरह खसरा नम्बर-669 की जमीन को बिना रजिस्ट्री के नामान्तरण करा लिया गया है । यही नही शारदा विहार के समीप खसरा नम्बर-348 की सीएसईबी की जमीन को निजी बनाकर बेचा गया है। सूत्र बताते है कि खसरा नम्बर-302/2/घ के जमीन को टुकड़ा में बांटकर 6 फर्जी रजिस्ट्री की गई है। व्यापक स्तर पर हुए जमीन फर्जीवाड़ा में स्थानीय एक जमीन दलाल का नाम सुर्खियों में है.

फर्जी चौहद्दी बनाने वालो पर होगी एफआईआर- तहसीलदार

कोरबा तहसीलदार मुकेश देवांगन ने जानकारी देते हुए कहा की मुड़ापार और डीडीएम रोड़ के प्लाट की फर्जी चौहद्दी बनाकर रजिस्ट्री कराई गई है। मामले की जानकारी के मिलने की बाद गलत तरीके से दस्तवेज तैयार करने वाले भूमाफियाओं पर अपराध दर्ज कराने का निर्देश दिया है.

खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के आदेश पर, ग्राम भटको पहुँची 4 सदस्यीय टीम, अवैध पट्टाधारियों के खिलाफ जांच शुरू

- संवाददाता -
सरगुजा,29 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड ग्राम पंचायतों में शासकीय भूमि का अवैध पट्टा बनाकर अपने नाम करवाने की शिकायत ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत से की थी, मामले पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि टीम गठित कर जल्द से जल्द इस मामले की जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए।

कलेक्टर ने मामले को संज्ञान में लेते हुए 4 सदस्यीय जांच टीम गठित किया, शनिवार को 4 सदस्यीय जांच टीम ग्राम भटकों पहुँची जहाँ उन्होंने फर्जीवाड़ा कर शासकीय जमीनों की रजिस्ट्री के मामले पर शुरूआती जांच शुरू कर दी हैं, जांच के वक्त शिकायतकर्ता और ग्रामीण भी मौजूद रहे।

बालको पुलिस ने मोबाइल दुकान में चोरी और मोटरसाइकिल चोरी के मामले का किया पर्दाफाश

- संवाददाता -
कोरबा,29 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

थाना बाल्को के प्रार्थी मो. अली पिता वाहिद अली उम्र 45 वर्ष सा. कैलाश नगर थाना बालको का दिनांक 12.02.2023 को रिपोर्ट दर्ज कराया था कि बिते रात्रि किसी अज्ञात चोर द्वारा मोबाईल दुकान के सिट को तोड़कर अंदर घुस कर कुल 30,000 / रूपये का मोबाईल एवं हेडफोन आदि सामान को चोरी कर ले गया था, कि रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूध्द अपराध क्रमांक 146 / 23 धारा 457, 380 भादवि का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। जो अज्ञात चोरों की लगातार पतासाजी की जा रही थी एवं दिनांक 26.04.2023 को साडा कालोनी बालको का प्रार्थी लखन लाल श्रीवास पिता स्व. मेलूराम श्रीवास उम्र 40 वर्ष सा. साडा कालोनी बालको थाना बालको के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया की दिनांक 26.04.2023 के बीते रात्रि किसी अज्ञात चोर द्वारा घर के आंगन में रखे एक मोटर सायकल एच.एफ. डिलक्स कमांक सी.जी. 12 AY 3460 को चोरी कर ले गया है, कि रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूध्द अपराध क्रमांक 282 / 23 धारा 379 भादवि का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में अज्ञात आरोपी की पतासाजी हेतु पुलिस अधीक्षक कोरबा यू उदय किरण से आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त किया गया , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा अभिषेक वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा विश्वदीप त्रिपाठी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बालको निरीक्षक सनत सोनवानी के नेतृत्व में बालको पुलिस टीम पता तलाश में लगा हुवा था जो मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि राजेश टोप्पो पिता श्री रामलाल टोप्पो उम्र 19 वर्ष सा. केशलपुर बालको थाना बालको मोटरसाइकिल और मोबाइल बेचने की फिराक में इधर-उधर घूम रहा है। मुखबीर के बताए अनुसार पुलिस टीम के द्वारा राजेश टोप्पो को अभिरक्षा में लेकर बारिकी एवं हिकमत अमली के साथ पुछताछ किया गया जो आरोपी पहले पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया बाद में मोबाईल दुकान में अकेले व मोटर सायकल को एक नाबालिग बालक के साथ अपराध घटित करना स्वीकार किया, चोरी के मशरूका मोबाईल व मोटर सायकल को अपने घर में छिपा कर रखा था जिसे पुलिस की टीम ने उसके घर से बरामद किया। आरोपी व विधि विरुद्ध संघर्षरत बालक के विरूध्द अपराध धारा सदर का अपराध घटित करना सबुत पाये जाने से आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

राजस्व व खनिज विभाग की निष्क्रियता से पोड़ी क्षेत्र में अवैध लाल ईटों का निर्माण एवं बिक्री धड़ल्ले से

- राजा मुखर्जी -
कोरबा,29 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

सरकार द्वारा अवैध लाल ईंटों के निर्माण पर प्रतिबंध होने के बावजूद जिले के पाली विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पोड़ी एवं इसके आसपास क्षेत्र में लाल ईंट भट्ठों का कारोबार धड़ल्ले से जारी है। जिस पर कार्यवाही न होने से कारोबारियों के हौसले बुलंद है। पाली मुख्यालय से महज 07 किलोमीटर दूर पोड़ी क्षेत्र में जगह-जगह लाल ईंट की भटियां देखी जा सकती हैं। इसे राजस्व और खनिज विभाग की मेहरबानी कहे या अनदेखी, जिसके चलते क्षेत्र में अवैध लाल ईंट निर्माण का कारोबार बेखौफ फल-फूल रहा है। लाल ईंट निर्माण कर बिक्री हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जरूरी होता है। विभागीय अनुमति के बगैर ईंट बनाना गैरकानूनी है। जानकारी के मुताबित 25 हजार तक ईंट बनाने के लिए तहसीलदार व 50 हजार या इससे अधिक ईंट निर्माण के लिए खनिज विभाग से अनुमति लेना होता है, लेकिन पोड़ी के लब्दा, लीमघाट, मड़वा मौहा, अमरैया व मुढाली सहित आसपास क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक ईंट भट्ठों का संचालन अवैध रूप से किया जा रहा है। वहीं ईंट पकाने के लिए चोरी के कोयले के साथ बड़ी तादाद में जंगल की लकड़ी का उपयोग किया जाता है। जहां इन अवैध संचालित ईंट भट्ठों के जलने से न केवल पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि खनिज विभाग को भी लाखों रुपए की हानि हो रही है। वहीं भट्ठा संचालकों ने अवैध विद्युत कनेक्शन भी ले रखा है। यह सिलसिला यहां हर वर्ष देखने को मिलता है तथा कार्यवाही न होने से उक्त कारोबार पोड़ी क्षेत्र में बढ़ते क्रम में है।

कार्यवाही के अभाव में अवैध ईंट भट्ठा संचालकों के हौसले बुलंद

राजस्व व खनिज विभाग के द्वारा अवैध रूप से संचालित लाल ईंट भट्ठों के कारोबार करने वालों के खिलाफ उचित कार्यवाही ना करने से कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं और अवैध कारोबारी बेधड़क लाल ईंट का निर्माण कर और दुगुने तीगुने दाम में बेचकर मोटी रकम कमा रहे हैं, जो अवैध ईंट कारोबारियों के कमाई का जरिया बन चुका है। विभागीय अधिकारियों को जानकारी होते हुए भी राजस्व और खनिज अमला हाथ पर हाथ धरे खामोश बैठे हुए है और अवैध ईंट भट्ठा कारोबारियों के खिलाफ किसी भी प्रकार की कड़ी कार्यवाही ना होना, विभागीय कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा करता है। बहरहाल पोड़ी क्षेत्र में संचालित अवैध लाल ईंट भट्ठों के संबंध में पाली तहसीलदार नरेंद्र कंवर से चर्चा करने पर उन्होंने कार्यवाही करने की बात कही है।

लाख कोशिशों के बाद भी रेत माफिया नहीं आ रहे बाज दिखा रहे नेता होने का रौब

- राजा मुखर्जी -
कोरबा,29 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

पिछले दिनों जिले में काफी हंगामे के बाद पुलिस प्रशासन ने रेत चोरी पर अंकुश लगाने सफलता प्राप्त की थी एवं प्रशासन ने साफ तौर पे कह था के किसी भी तरह की रेत एवं खनिज चोरी होने पर संबंधितों को बक्सा नही जाएगा साथ ही विभागों को भी सतर्क रहने की बात कही गई थी जिसके चलते जिले में कुछ दिन तक सब शांत रहा जैसा की पहले से होता आया है के फरमान जारी होने के बाद कुछ समय तक शांत हो जाता है और वैसा ही हुआ पर अब फिर से शहरी क्षेत्रों में रेत की चोरी देखी जा सकती है फर्क इतना की पहले आपसी तालमेल बनाते हुए दिन रात चोरी का खेल चलता था अब सिर्फ रात के गहरे अंधेरे में तालमेल बनाते हुए चोरी का खेल सुरू किया गया है द्व वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह सिलसिला चल रहा है। ज्यादातर देखा गया है के ग्रामीण अंचलों में खनिज विभाग के अमले की पहुंच जल् नहीं हो पाती जिसका फायदा रेत के चोर उठा रहे हैं। पुलिस ने एक ऐसे ही ट्रैक्टर को पकड़ा जो बिना किसी वैधानिक दस्तावेज के रेत परिवहन में लगा हुआ था। जब उसे थाना लाया गया तो मालिक ने थाना पहुंचकर अपने नेता होने की धौंस दिखाते हुए पुलिसकर्मियों को डराना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि करतला क्षेत्र के ग्राम कुदमुरा से होकर बहने वाली नदी से रेत का अवैध खनन कर उसे अवैधानिक रूप से ट्रैक्टर में परिवहन कर ले जाया जा रहा था तभी पेट्रोलिंग पर निकली करतला पुलिस ने परिवहन में लगे रेत से भरे उक्त ट्रैक्टर को रुकवाया और पूछताछ किया। ट्रैक्टर के चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिला और ना ही रेत परिवहन के संबंध में कोई रॉयल्टी आदि वह दिखा सका। पुलिस ने उक्त रेत भरी ट्रैक्टर को करतला थाना लाकर अभिरक्षा में खड़ा करा दिया। इसके कुछ देर बाद ट्रैक्टर का मालिक थाना पहुंच गया और खुद को भाजपा का जिला स्तरीय नेता बताते हुए हंगामा करना शुरू कर दिया। उसका कहना था कि यह मेरी ट्रैक्टर है, इसे कैसे पकड़ लिया गया और तरह-तरह की बातें कहते हुए पुलिस पर धौंस दिखाते हुए उसने विधायक के नाम का भी सहारा लिया। हालांकि इन सबके बीच पुलिस के सामने उसकी नहीं चली और उसे बैरंग ही लौटना पड़ा। पुलिस ने ट्रैक्टर को जप्त करने के साथ ही मामले को अगली जांच और कार्रवाई के लिए खनिज विभाग को प्रेषित करने की कार्यवाही शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि उक्त ट्रैक्टर के मालिक आकाश सक्सेना हैं ।

राजस्व मंत्री ने विधायक मद से 13.64 लाख रूपये की लागत के निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन

- संवाददाता -
कोरबा, 29 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा के वार्ड क्र. 25 में ब्रम्हवाटिका के पास सामुदायिक भवन निर्माण हेतु भूमिपूजन किया गया। इसका निर्माण विधायक मद से 13.64 लाख रूपये की लागत से किया जा रहा है। साथ ही यहां किन्नर समाज के मुक्तिधाम में बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य का भूमिपूजन राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल एवं महापौर नगर पालिक निगम श्री राज किशोर प्रसाद , ब्लॉक अध्यक्ष श्री संतोष राठौर , जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमती सपना चौहान,महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती कुसुम द्विवेदी, पार्षद शैलेन्द्र सिंग पप्पी,,पार्षद आशा जायसवाल,पार्षद भानुमती जायसवल पार्षद अनुज जायसवल, ,पूर्वांचल समिति अध्यक्षा अवधेश सिंह ,सेवादल अध्यक्ष ममता रानी अग्रवाल ,ब्लॉक अध्यक्ष दुष्यंत शर्मा, यूथ अध्यक्ष राकेश पंकज, एल्डरमैन रेखा त्रिपाठी , अभिनव , गीता गभेल , किन्नर समाज अध्यक्ष श्री मति मालती किन्नर, जयसवाल समाज, किन्नर समाज कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ता,बिधुत बिभाग कर्मचारियां एवं वार्ड व क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) सूरजपुर (छ0ग0)

संशोधित ईश्तहार

क्रमांक/284/वाचक-3/खाद्य/2023
सूरजपुर,दिनांक -24/04/2023

कार्यालयीन ईश्तहार क्रमांक 851/वाचक-3/खाद्य/2022 दिनांक 13.03.2023 के माध्यम से शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम पंचायत झांसी विकासखण्ड सूरजपुर का नवीन आबंटन किए जाने हेतु ईश्तहार जारी किया गया था, किन्तु अपरिहार्य कारणों से संशोधित ईश्तहार जारी किया जाता है। पूर्व में प्राप्त आवेदन पत्र दुकान आबंटन की प्रक्रिया में शामिल किए जाएंगे।अतः शा.उ.मूल्य दुकान झांसी आईडी 392009023 संचालन करने के इच्छुक संस्था अपना आवेदन दिनांक 30.04.2023 तक कार्यालयीन समय सांय 5.30 तक इस कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित प्रारूप संस्था के प्रस्ताव सहित अन्य दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 24.04.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
रा0सूरजपुर जिला
सूरजपुर (छ0ग0)

हत्या और साक्ष्य छिपाने के मामले में दोषी पाए गए नाबालिग को 10 वर्ष का सश्रम कारावास

- संवाददाता -
कोरबा,29 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

युवक की नृशंस हत्या कर शव को जलाकर साक्ष्य छिपाने के मामले में सह आरोपी विधि से संघर्षरत अपचारी बालक को दोषी पाए जाने पर न्यायालय ने 10 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया गया है। हत्या के अपराध धारा 302 में 05 वर्ष और साजिश छिपाने के अपराध धारा 201 में 05 वर्ष कुल मिलाकर 10 वर्ष की सजा दी गई है । बता दें कि उक्त नाबालिग अपराधी घटना दिनांक के वक्त 17 वर्ष का था। उसने वारदात के मुख्य आरोपी अमन भंवरे निवासी बिलासपुर और उसके साथियों राजू यादव, रामजन्म यादव दोनों निवासी राताखार के साथ मिलकर फेरी लगाकर घरेलू सामान बेचने वाले कृष्णा गंगावने की हत्या 4 मार्च 2022 को किया था। इसके बाद साक्ष्य मिटाने के लिए जूट के बोरे में लपेट कर जला दिया गया। इस मामले में करतला थाना प्रभारी राजेश चंद्रवंशी द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत किए गए मजबूत विवेचना और साक्ष्यों के आधार पर विचार उपरांत अपर सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रेक) ज्योति अग्रवाल ने 03 आरोपियों को आजीवन सश्रम कारावास की सजा से दंडित किया। प्रकरण में नाबालिग आरोपी पर फैसला आना शेष था जिसमें विशेष न्यायाधीश (बाल न्यायालय) ज्योति अग्रवाल ने विधि से संघर्षरत अपचारी बालक को दोषी पाए जाने पर कुल 10 वर्ष के सश्रम

कारावास से दंडित किया है। इस तरह कृष्णा गंगावने के सभी चारों आरोपियों को उनके कृत्य की सजा मिल गई है। बता दे के यह मामला 04 मार्च 2022 की है जिसमे इन सभी आरोपियों पर दंडात्मक कार्यवाही की गई है मामला था कोतवाली थाना वार्ड 04 पुरानी बस्ती नीम चौक निवासी कृष्णा गंगावने पिता राजेश 20 वर्ष की हत्या फुफेरा भाई अमन भंवरे पिता संजू 19 वर्ष निवासी बिलासपुर ने की थी। 4-5 साल पहले मृतक कृष्णा के परिजन से मुख्य आरोपी अमन की मां ने 01 लाख रुपए उधार लिया था जिसका ब्याज सहित करीब 04 लाख हो गया। वारदात से 3 माह पहले अमन की मां ने जमीन बेचकर 1 लाख 70 हजार रुपए वापस किया लेकिन 2 लाख रुपए और मांगा जा रहा था। इस बात पर अमन ने मन में रंज रख लिया और साथियों के साथ मिलकर हत्या की योजना तैयार की। इसके लिए सब्जी काटने का बड़ा चाकू खरीदा गया। 04 मार्च 2022 को कृष्णा के हाटी की तरफ जाने की जानकारी हुई और हत्या की योजना बनढ्ढकर करतला के आगे पुल के पास सभी ने मिलकर कृष्णा को रूकवाया और गाड़ी से उतार कर 100 मीटर दूर खेत में ले जाकर सिर के पीछे वार कर दिया उसके बाद जूट के बोरे में लाश को ढंककर पेट्रोल से जला दिया और गुमराह करने उसके वाहन को पसरखेत मार्ग में चचिया ढाबा के पास खड़ी कर मोबाइल को फेंक दिया था।

कतर को मिली बास्केटबॉल विश्व कप के आयोजन की जिम्मेदारी

2027 में होना है वर्ल्ड कप

कतर,29अप्रैल 2023। कतर बास्केटबॉल फेडरेशन को फीबा बास्केटबॉल वर्ल्डकप 2027 के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस विश्व कप के सभी खेलों का आयोजन दोहा में किया जाएगा। फीबा का सेंट्रल बोर्ड लगाई गई बोलियों से प्रभावित हुआ। दोहा में होने वाले इस इवेंट में 32 टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें सभी मुकाबले खेले जाएंगे।

विश्व कप के आयोजन को लेकर फीबा ने कहा कि 32 टीम इवेंट में सभी खेलों का मंचन किया जाएगा। फीबा ने मेट्रो सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क आदि को लेकर कहा कि यहां हर तरह की सुविधाएं खिलाडियों, टीमों और दर्शकों के लिए उपलब्ध है। बता दें कि हाल ही में कतर में फीफा विश्व कप 2022 का आयोजन नवंबर और दिसंबर के महीने में हुआ था।

हालांकि फुटबॉल विश्व कप की तैयारी के दौरान कतर को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। दरअसल कतर में प्रवासी मजदूर के साथ दुर्वयवहार की घटना सामने आई थी जिसके बाद काफी आलोचना भी हुई थी। फीबा ने 2023 टूर्नामेंट ड्रा की पूर्व संध्या पर अपने निर्णय की घोषणा में श्रम या मानवाधिकारों के मुद्दों का कोई संदर्भ नहीं दिया था।

इस आयोजन की खास बात है कि इसका आयोजन सिर्फ एक ही शहर में होगा। ऐसे में सभी टीमें, दर्शक आदि अपने लिए पहले से ही योजना बना सकते है। इस आयोजन के जरिए उन्हें एक अनोखा अनुभव होगा। बता दें कि दोहा की खासियत है कि यहां एक जगह से दूसरी जगह जाने की अधिकतम दूरी सिर्फ 30 मिनट की है। इससे अधिक समय कहीं पहुंचने में नहीं लगता है।

बता दें कि पुरुष बास्केटबॉल विश्व कप के लिए फीबा ने सभी स्थानों का निर्माण पहले ही कर लिया है, जबकि व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली हरित प्रौद्योगिकियाँ फीबा बास्केटबॉल विश्व कप 2027 को कार्बन-न्यूट्रल इवेंट के रूप में वितरित करने में मदद करेंगी।

इस टीम को मिलेगी डायरेक्ट एंट्री

बता दें कि 89वें नंबर की कतर टीम मेजबान के रूप में स्वत- ही क्वालीफाई कर लेगी। कतर ने आखिरी बार 2006 विश्व चैंपियनशिप में इस प्रतियोगिता में भाग लिया था और अपने सभी पांच गेम हार गया था। कतर पुरुषों के टूर्नामेंट का तीसरा सीधा एशियाई मेजबान है। चीन ने 2019 की मेजबानी की और फिलीपींस, जापान और इंडोनेशिया ने इस साल के संस्करण की मेजबानी 25 अगस्त-सितंबर से की। 12. स्पेन डिफेंडिंग चैंपियन है। 2026 में महिला विश्व कप की मेजबानी जर्मनी द्वारा बर्लिन में की जाएगी, फीबा ने भी फैसला किया।

रोहित की अनुपस्थिति में,कोहली को डब्ल्यूटीसी फाइनल जैसे प्रमुख खेलों में नेतृत्व करना चाहिए

नई दिल्ली,29अप्रैल 2023। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि अगर कप्तान रोहित शर्मा अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण अनुपलब्ध हैं तो भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल जैसे बड़े मैच में टीम का नेतृत्व करने के लिए विराट कोहली की दिशा में देखना चाहिए। . शास्त्री ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन को कोहली से पिछले साल इंग्लैंड दौरे के स्थगित अंतिम टेस्ट में टीम का नेतृत्व करने के लिए कहना चाहिए था, जब रोहित को मैच से बाहर कर दिया गया था।

अगर यह इस तरह के एक बड़े खेल के लिए है, तो मैं चाहता हूं कि रोहित फिट रहें, वह कप्तान हैं। लेकिन भगवान न करे कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में होता है, निश्चित रूप से मैं उस दिशा में देखूंगा, शास्त्री ने पूछा कि क्या रोहित के अनुपलब्ध होने पर कोहली को फाइनल में टीम का नेतृत्व करना चाहिए।

शास्त्री ने कहा कि वह इंग्लैंड के खिलाफ स्थगित पांचवें टेस्ट के लिए कप्तानी के लिए बोर्ड को ताबीज बल्लेबाज के नाम की सिफारिश करते। रोहित के चोटिल होने के बाद मुझे लगा कि विराट कप्तानी करेगा।

अगर मैं अभी भी वहां होता - मुझे यकीन है कि राहुल (द्रविड़) ने भी ऐसा ही किया होगा, मैंने उनसे बात नहीं की है - मैंने बोर्ड से सिफारिश की होगी कि यह केवल उचित है क्योंकि वह टीम का कप्तान था। टीम जो श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रही थी और शायद टीम से सर्वश्रेष्ठ प्राप्त कर सकती थी,÷ उन्होंने कहा।

कोहली 2021 में इंग्लैंड के दौरे के दौरान भारत के टेस्ट कप्तान थे। उनकी कप्तानी में, भारत ने आगंतुकों के शिविर में कोविड-19 के प्रकोप के कारण अंतिम टेस्ट को एक साल के लिए स्थगित करने से पहले 2-1 की बढ़त ले ली थी।

अंतिम टेस्ट के समय तक, कोहली ने रोहित के साथ कप्तानी छोड़ दी थी। हालाँकि, जब रोहित को मैच से बाहर कर दिया गया, तो भारत ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी की शुरुआत दी। शास्त्री ने कहा कि वह इंग्लैंड के खिलाफ स्थगित पांचवें टेस्ट के लिए कप्तानी के लिए बोर्ड को ताबीज बल्लेबाज के नाम की सिफारिश करते। रोहित के चोटिल होने के बाद मुझे लगा कि विराट कप्तानी करेगा।

अगर मैं अभी भी वहां होता - मुझे यकीन है कि राहुल (द्रविड़) ने भी ऐसा ही किया होगा, मैंने उनसे बात नहीं की है - मैंने बोर्ड से सिफारिश की होगी कि यह केवल उचित है क्योंकि वह टीम का कप्तान था। टीम जो श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रही थी और शायद टीम से सर्वश्रेष्ठ प्राप्त कर सकती थी, उन्होंने कहा।

कोहली 2021 में इंग्लैंड के दौरे के दौरान भारत के टेस्ट कप्तान थे। उनकी कप्तानी में, भारत ने आगंतुकों के शिविर में कोविड-19 के प्रकोप के कारण अंतिम टेस्ट को एक साल के लिए स्थगित करने से पहले 2-1 की बढ़त ले ली थी। अंतिम टेस्ट के समय तक, कोहली ने रोहित के साथ कप्तानी छोड़ दी थी। हालाँकि, जब रोहित को मैच से बाहर कर दिया गया, तो भारत ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी की शुरुआत दी।

अरमांडो ब्रोजा ने चोट लगने के बाद ठीक होने की अपनी यात्रा का खुलासा किया

लंदन,29अप्रैल 2023। चेल्सी के 21 वर्षीय स्ट्राइकर अरमांडो ब्रोजा ने क्रिसमस से पहले सीज़न की समाप्ति की चोट के बाद अपने जीवन के सबसे निचले बिंदु के बारे में खोला।

यह अबू धाबी में वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ एक खेल था और अल्बानियाई स्ट्राइकर ने अपने एसीएल को तोड़ दिया। उस समय से ब्रोजा ने अपनी फिटनेस हासिल करने के लिए काफी प्रयास किए और अभी भी वह घटना उनके दिमाग में चलती है।

ब्रोजा ने चेल्सी के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा, ÷मैं अभी भी इसके बारे में पूरी तरह से नहीं सोच पाया हूं।÷

यह आपके दिमाग में चलता है। यह एक बड़ा झटका था क्योंकि मैं हमेशा काफी स्वस्थ बालक रहा हूं, और यहां और वहां बस कुछ मामूली चोटें आई हैं। यह मेरे माता-पिता के लिए और भी बड़ा झटका था, क्योंकि वे शायद ही कभी मुझे घायल देखा हो। सर्जरी के बाद, मैं लगभग दो सप्ताह तक बिस्तर पर पड़ी रही। यह मेरे जीवन के सबसे बुरे समय में से एक था। यह भयानक था। मैं बिस्तर से

बाहर नहीं निकल पा रही थी। मेरी माँ मुझे गोलियाँ लेने और मुझे देने के लिए घर के चक्कर लगा रही थी। मेरा खाना। यह एक संघर्ष था। आप लगभग बेकार महसूस करते हैं। आप सामान करने में सक्षम होना चाहते हैं, लेकिन आप बस नहीं कर सकते।÷

÷मैं सो नहीं सका। मैं दर्द में था। वह दिन और जो हुआ वह लगातार मेरे दिमाग में घूमता रहा। मैं उन तरीकों के बारे में सोच रहा था जिनसे मैं इससे बच सकता था, हालांकि मुझे पता था कि ऐसा करना अच्छी बात नहीं है।÷

÷मुझे उससे एक कदम पीछे हटना पड़ा। यह कुछ ऐसा था जिसे मुझे आगे बढ़ना था, और बस वापस फिट होने पर ध्यान केंद्रित करना शुरू करना था। जैसा कि वे कहते हैं, वापसी झटके से बेहतर होगी,÷ ब्रोजा ने निष्कर्ष निकाला।

चोट लगने के बाद चेल्सी ने पूरे सत्र के लिए युवा स्ट्राइकर को बाहर करने के लिए एक आधिकारिक बयान जारी किया। ÷एस्टन विला के खिलाफ रविवार के दोस्ताना मैच के पहले हाफ के दौरान घुटने में चोट लगने के बाद, अर्मांडो ने इंग्लैंड में क्लब की वापसी के बाद आगे का आकलन किया।

वह एक असाधारण प्रतिभा है वह जल्द ही भारत के लिए खेलेंगे:डेविड हसी

नई दिल्ली,29अप्रैल 2023। जब केकेआर और गुजरात टाइटंस के बीच आखिरी बार एक उच्च स्कोरिंग मुकाबला हुआ। जीटी उस मैच को जीतने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे थे लेकिन केकेआर के बैग में एक छिपा हुआ रत्न था जिसने पूरे नरेंद्र मोदी स्टेडियम को रोशन कर दिया। रिंकू सिंह ने अपने आखिरी ओवरों की तूफानी पारी से केकेआर की हार के जबड़े से जीत छीन ली।

जब से रिंकू सिंह ने केकेआर के खिलाफ मैच जिताने वाली पारी खेली है तब से वह केकेआर के लिए मिस्टर कंसिस्टेंट बनकर उभरे हैं। खिलाड़ी ने अब तक आईपीएल 2023 में 62.58 के औसत के साथ 8 मैचों में 251 रन बनाए हैं। सिंह मध्य क्रम में आते हैं और जिस तरह से उन्होंने खेला है, उसे देखते हुए केकेआर को उस खंड में बहुत जरूरी स्थिरता दी है। विशेषज्ञ भी ब्रेकआउट खिलाड़ी की प्रशंसा कर रहे हैं और कई ने यह कहते हुए उद्धृत किया है कि वे 25 वर्षीय के लिए एक उज्ज्वल भविष्य देखते हैं। बहुमत के साथ पुष्टि करने वाले विशेषज्ञों में से एक ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेविड हसी हैं।

डेविड हसी ने रिंकू सिंह पर दिया बड़ा बयान

डेविड हसी के अनुसार, रिंकू सिंह एक असाधारण प्रतिभा है, जो घरेलू सर्किट के माध्यम से आगे बढ़ी है और टीम इंडिया की नीली जर्सी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा सकती है। हस्से ने यह भी कहा कि केकेआर फ्रेंचाइजी युवा खिलाड़ी का समर्थन कर रही है और उनका प्रदर्शन उनके आत्मविश्वास का प्रमाण है। रिंकू सिंह एक असाधारण प्रतिभा है। वह घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और केकेआर फ्रेंचाइजी ने उसका अच्छा समर्थन किया है। वह अपने आत्मविश्वास में बढ़ा है और अपने खेल को अगले स्तर तक ले जा रहा है। उम्मीद है कि वह जल्द ही भारत के लिए खेलेगा। हसी ने स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव पर कहा।

जबकि रिंकू सिंह कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए एक जबरदस्त खोज रहे हैं, टीम को इंडियन प्रीमियर लीग के इस संस्करण में अभी तक कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। वर्तमान में, टीम आईपीएल 2023 अंक तालिका में 7वें स्थान पर है।

कुश्ती महासंघ प्रमुख के खिलाफ दो प्राथमिकी

नईदिल्ली,29अप्रैल2023। प्रदर्शनकारी पहलवानों के लिये लगातार बढ रहे समर्थन के बीच दिल्ली पुलिस ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ सात महिला पहलवानों द्वारा लगाये गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के सिलसिले में दो प्राथमिकी दर्ज की। दिल्ली पुलिस की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की उच्चतम न्यायालय की पीठ को बताया कि प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। पहली प्राथमिकी एक अवयस्क पहलवान के आरोपों पर पोस्को कानून के तहत दर्ज की गई जबकि दूसरी मर्यादा को ठेस पहुंचाने के संबंध में है।

मेहता की दलील के बाद यहां के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने 'जीत की ओर पहला कदम' करार दिया। उन्होंने हालांकि कहा कि वे भारतीय जनता पार्टी के इस सांसद को उनके सभी पदों से हटाये जाने तक अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। डब्ल्यूएफआई प्रमुख पर यौन उत्पीड़न और डराने-धमकाने का आरोप लगाने वाले पहलवान 23 अप्रैल को अपना आंदोलन दोबारा से शुरू करने के बाद से उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग कर रहे हैं।

फिल्म और खेल जगत और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारी पहलवानों का समर्थन किया और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने तुरंत कार्रवाई की मांग की। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता ने कहा कि दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाये।खिलाड़ियों में चोपड़ा के अलावा मुक्केबाज निकहत जरीन, टेनिस स्टार सानिया मिर्जा, हॉकी स्टार रानी रामपाल, क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह, इरफान पठान और मदन लाल ने भी पहलवानों का समर्थन किया।

अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने ट्वीट किया ,'' शर्मनाक है कि हमारे शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को यौन उत्पीड़न के मामले में सड़कों पर प्रदर्शन करना पड़ रहा है लेकिन दोषी भाजपा सांसद को सरकार लगातार बचा रही है।'' उच्चतम न्यायालय की पीठ बृजभूषण के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं किये जाने पर सात महिला पहलवानों की याचिका पर सुनवाई कर रही है। पहलवानों की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने एक सीलबंद कवर में हलफनामा दर्ज किया जिसमें यौन उत्पीड़न की कथित आरोपी नाबालिग लड़की की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई है। पीठ ने इस संबंध में दिल्ली पुलिस आयुक्त को नाबालिग लड़की को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने के निर्देश दिये हैं।

किसी का नाम लिये बिना सिब्बल ने कहा कि 'इस व्यक्ति' के खिलाफ 14 मामले लंबित है जिनमें से एक धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत है। इस बीच साक्षी मलिक ने जंतर-मंतर पर संवाददाताओं से कहा, ''यह जीत की ओर पहला कदम है, लेकिन हमारा विरोध जारी रहेगा।'' पहलवानों ने जंतर-मंतर पर बृजभूषण के खिलाफ चल रही सभी आपराधिक कार्यवाही को सूचीबद्ध करने वाला एक बड़ा बैनर लगाया है।

वसीम जाफर ने कहा, हमारे गेंदबाज करेंगे दमदार वापसी

मोहाली,29अप्रैल 2023। पंजाब किंग्स के बल्लेबाजी कोच वसीम जाफर ने आईपीएल 2023 में मजबूत वापसी करने के लिए गेंदबाजी इकाई का समर्थन किया है, क्योंकि आईएस बिंद्रा पीसीए स्टेडियम में 56 रन की व्यापक हार में लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाजी क्रम ने उन्हें क्लीन बोल्ड कर दिया था। कगिसो रबाडा, अर्शदीप सिंह और सैम क्यूरन की तेज गेंदबाजी तिकड़ी ने 11 ओवरों में उनके बीच 144 रन दिए, क्योंकि लखनऊ ने 257/5 का स्कोर बनाया, जो प्रतियोगिता का सर्वोच्च स्कोर था। जवाब में पंजाब 19.5 ओवर में 201 रन ही बना सकी और अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई।÷ऐसा मत सोचो कि कोई गंभीर चिंता है (गेंदबाजी आक्रमण के बारे में) क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में तीन बार स्कोर का बचाव किया था। चाहे वह मुंबई या राजस्थान के खिलाफ हो, कोलकाता के पहले के खेल में भी।

पोन्नियन सेल्वन-2 में उदासीन नजर आ रहे दर्शक

गत वर्ष 30 सितम्बर को प्रदर्शित हुई चोल साम्राज्य के इतिहास पर आधारित निर्देशक मणिरत्नम की पोन्नियन सेल्वन का दूसरा भाग कल सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रहा है। तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम के साथ-साथ हिन्दी भाषा में प्रदर्शित होने जा रही इस फिल्म को लेकर बॉक्स ऑफिस पर मिश्रित प्रतिक्रिया नजर आ रही है। इस फिल्म की एडवांस बुकिंग के समाचारों के अनुसार पिछले दो दिनों अर्थात् 24 अप्रैल से लेकर 26 अप्रैल तक देश भर में इसके 50 हजार टिकट बिक चुके हैं। दक्षिण भारतीय दर्शकों में इस फिल्म को लेकर एक उफान नजर आ रहा है, वहीं उत्तर भारतीय दर्शक इसके प्रति पूरी तरह से उदासीन नजर आ रहे हैं।

पोन्नियन सेल्वन-2 की एडवांस बुकिंग जैसे ही ओपन हुई, वैसे ही दक्षिण भारत में इसकी टिकट धड़ाधड़ बिकी। टिकट विंडो पर पहुंचकर लोग लगातार इस शो के शनिवार और रविवार की टिकट खरीद रहे हैं। 24 अप्रैल से 26 अप्रैल, दो दिनों में मणि रत्नम की फिल्म की 50 हजार से अधिक टिकट बिक चुकी हैं और लगातार लोग अपने वीकेंड का प्लान इस फिल्म के साथ कर रहे हैं। 26 अप्रैल तक इस फिल्म ने 2 करोड़ की कमाई एडवांस के जरिये करने में सफलता प्राप्त कर ली है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर के जेटीएम मॉल में संचालित आइनॉक्स सिनेमाघर के प्रबन्धक कुलविंदर सिंह का कहना था कि हमारे सिनेमाघर में इस फिल्म के प्रति दर्शकों की कोई रुचि अभी तक नजर नहीं आई है। मार्निंग शो के ऑनलाइन पर सिर्फ3 टिकट बुक हुई हैं, शेष शो की कोई टिकट ऑनलाइन बुक नहीं हुई है। यही हाल ऑफलाइन बुकिंग का है। समाचार लिखे जाने तक इस सिनेमाघर में पोन्नियन सेल्वन-2 के किसी भी शो की कोई एडवांस नहीं हुई है। यहाँ पर टिकट की कीमत 170 रुपये से लेकर 320 रुपये तक रखी गई है। जयपुर के गोलछा सिनेमा के सुधीर पुरी का कहना था कि उनके यहाँ पर भी पोन्नियन सेल्वन-2 को लेकर दर्शक उदासीन हैं। गोलछा सिनेमा में पोन्नियन सेल्वन के अभी तक मात्र 10 टिकट एडवांस में बुक हुए हैं। उनका कहना था कि हमारे यहाँ पर अभी भी दर्शकों का रुझान किसी का भाई किसी की जान पर है।

इस फिल्म में ऐश्वर्या राय पहली बार डबल रोल में नजर आने वाली हैं। चोल साम्राज्य पर भी इस फिल्म की कहानी रानी नंदिनी के बदले की आग को दर्शाती है। 28 अप्रैल को रिलीज होने वाली पीएस-2 में लोग ऑडियंस नंदिनी और आदिता कालिकारन के बीच की दुश्मनी को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

टीवी मेरा पहला प्यार, लेकिन मैं ओटीटी को एक्सप्लोर करना चाहती हूं रूही चतुर्वेदी

'कुंडली भाग्य' की एक्ट्रेस रूही चतुर्वेदी टीवी का जाना-पहचाना चेहरा हैं, लेकिन उनका मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म अभिनेताओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और व्यापक दर्शकों तक पहुंचने के विभिन्न अवसर प्रदान करते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनका पहला प्यार हमेशा टीवी रहेगा।

एक्ट्रेस ने ओटीटी को एक्सप्लोर करने के बारे में बोलते हुए कहा, ओटीटी प्लेटफार्म ने अभिनेताओं के लिए नए रास्ते खोले हैं। इन प्लेटफार्मों पर कई कंटेंट उपलब्ध है और सभी के लिए कुछ न कुछ है। एक एक्टर के रूप में, मैं अलग-अलग जोनर में काम करने और नई भूमिकाओं के साथ प्रयोग करने को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, टीवी हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगा, लेकिन मैं इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकती कि एक एक्टर के रूप में, अपनी प्रतिभा को व्यापक बनाना और खुद को कुछ भूमिकाओं तक सीमित नहीं रखना महत्वपूर्ण है। रूही चतुर्वेदी लोकप्रिय रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के अपकमिंग सीजन में नजर आएंगी, जो कंटेस्टेंट्स के फिजिकल और मेंटल स्ट्रेंथ का टेस्ट करती है। वह खतरनाक स्टंट करती नजर आएंगी।

होमी के साथ विश्वास की भावना है जो हमेशा बनी रहती है:डिंपल कपाड़िया

अनुभवी एक्ट्रेस डिंपल कपाड़िया ने निर्देशक होमी अदजानिया के साथ 'सास, बहू और फ्लेमिंगो' में काम करने का अपना अनुभव साझा किया। डिंपल ने कहा, होमी के साथ एक विश्वास की भावना है जो हमेशा बनी रहती है और 'सास, बहू और फ्लेमिंगो' के साथ कहानी अपने आप में अनूठी और लीक से हटकर थी। मुझे पहले विश्वास नहीं हुआ, कि यह वह किरदार है जिसे उन्होंने मेरे लिए लिखा था।

वह एक महिला सावित्री की भूमिका निभा रही हैं, जो एक कंपनी चलाती है, जिसका इस्तेमाल वह ड्रग बिजनेस को छिपाने के लिए करती है। वह परिवार की सबसे महत्वपूर्ण महिला है, जिसमें उसकी दो बहुओं और एक बेटी सहित चार महिलाएं हैं। डिंपल ने कहा कि उन्होंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं निभाया है: एक कार्टेल का नेतृत्व करने वाली क्वीनपिन की भूमिका कुछ ऐसी थी जो मैंने पहले कभी नहीं की थी, और मैं इस जटिल भूमिका को पर्दे पर जीवंत करने की चुनौती से उत्साहित थी।

निर्देशक के बारे में बोलते हुए, 'बॉबी' एक्ट्रेस ने कहा: होमी उन सबसे सनकी निर्देशकों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है और वह इस सनकीपन को पात्रों और पटकथा में लाते हैं। उन्हें इस बात का स्पष्ट अंदाजा था कि वह किरदार से क्या चाहते हैं और वह कहानी को कैसे

बताना चाहते है। मैं प्रोजेक्ट के प्रति उनके जुनून से प्रभावित हूं। कुल मिलाकर, यह किरदार, कहानी और होमी के साथ काम करने के अवसर का संयोजन था जिसने मुझे शो के लिए हां कहा।

मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित, सीरीज का निर्देशन होमी अदजानिया द्वारा किया गया है और आशीष वर्मा, वरुण मित्रा, उदित अरोड़ा, दीपक डोबरियाल और मोनिका डोगरा के साथ

डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजे गए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने की विशिष्ट पहल के लिए विश्व प्रसिद्ध सोरबोन यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस ने दी डॉक्टोरेट की उपाधि

» फ्रांस के कार्यक्रम 'ग्लोबल अवार्ड्स 2023' में शामिल हुए मुख्यमंत्री

» जिन्होंने अपने श्रम से छत्तीसग को खड़ा किया यह सम्मान उन सभी का: मुख्यमंत्री

» इसरो के पूर्व वैज्ञानिक सुरेश कुमार ने कहा साइंटिफिक मुख्यमंत्री

रायपुर,29अप्रैल2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को विश्वप्रसिद्ध सोरबोन यूनिवर्सिटी द्वारा छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सीमित एवं स्थानीय संसाधनों की उपयोगिता के साथ आगे बढ़ाने की विशिष्ट पहल के लिए डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा गया। मुख्यमंत्री श्री बघेल आज श्री अरोबिंदो फाउंडेशन द्वारा राजधानी रायपुर स्थित होटल सायाजी में आयोजित सोरबोन यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस, फ्रांस के कार्यक्रम 'ग्लोबल अवार्ड्स 2023' में शामिल हुए। इस अवसर पर इसरो के पूर्व वैज्ञानिक सुरेश कुमार, सोरबोन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. विवेक, श्री अरोबिंदो योग एवं नॉलेज फाउंडेशन के डायरेक्टर डॉ. समरेन्द्र घोष, डॉ. बी.के. स्थापक, डॉ. संदीप मारवाह, डॉ. विनय अग्रवाल भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की धर्मपत्नी श्रीमती मुक्तेश्वरी बघेल एवं उनके परिवार के लोग भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि फ्रांस की प्रतिष्ठित सोरबोन यूनिविर्सिटी ने छत्तीसगढ़ शासन के विकास कार्यक्रमों को सराहा है और मुझे आज डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा है, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। जब काम करना शुरू किया तो बस ये चाह थी कि अच्छा काम करते रहना है। काम करते गए और रास्ता निकलता गया। ये उपाधि जरूर मुझे मिली है लेकिन इसके पीछे योगदान मेरे परिवार वालों का है। जनप्रतिनिधियों का है अधिकारी-कर्मचारियों का है। यह सम्मान छत्तीसगढ़ के सभी मेहनतकश लोगों का सम्मान है जिन्होंने अपने श्रम से छत्तीसगढ़ को खड़ा किया।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज मेरा परिवार भी साथ है। सबसे अच्छी बात है कि मेरा पोता भी साथ है। मेरे घर में एक किताब विनोबा जी की है। उसमें उन्होंने लिखा है कि भारत में महात्मा गांधी, रविन्द्र नाथ, रामकृष्ण परमहंस जैसी विभूति रही हैं और उनका योगदान हमारी मनीषा को बनाने में है। बिना अस्त्र के लड़ाई की कल्पना संभव है क्या, महात्मा गांधी ने इसे साकार किया। अरोबिंदो के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब आप निर्लिप्त भाव से कर्म करेंगे तो द्वेष रहित होकर काम करेंगे। जो लोग नैतिकता को प्रधानता देते हैं। वे धन से दूर होते हैं। श्री माँ ने कहा कि नैतिक लोगों को धन से

ये उपाधि जरूर मुझे मिली है लेकिन इसके पीछे योगदान मेरे परिवार वालों का

दूर नहीं होना चाहिए। उनके हाथ में धन होगा तो वे सार्थक उपयोग करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा छत्तीसगढ़ भौगोलिक रूप से समृद्ध प्रदेश से हैं। हमारे पास जंगल है। हिमालय के बाद सबसे अधिक नाले हमारे यहां हैं। हमारे यहां खनिज संसाधन पर्याप्त है। दुनिया भर में बैटरी गाड़ी की डिमांड हो रही है और हमारे यहां लिथियम है। आरबीआई के सर्वे के मुताबिक हमारे यहां गरीबी रेखा के नीचे बड़ी आबादी है। उद्योग भी है फिर भी गरीबी है। देश के आकांक्षी जिलों में 10 हमारे यहां है, दंतेवाड़ा और कोरबा में प्लांट भी हैं फिर भी इन जिलों में गरीबी है। यह सब देखते हुए एक नए समाधान की दिशा में काम करने की जरूरत थी। इन संसाधनों का प्रभावी उपयोग जरूरी था और हम सबने इसके लिए नीति बनाई। केवल उद्योग धंधों को बढ़ाने से बात नहीं बनती इसलिए हमने प्रकृति को सहेजते हुए विकास कार्य करने का निश्चय किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा 13 हजार नाले हमने ट्रीट किये लेकिन एक इंच जमीन भी नहीं डूबी, यह नवाचार है। एक-एक बूंद बचा भी ली और किसानों को कष्ट भी नहीं हुआ। जमीन की हमने डिटेल स्टडी की। 13 प्रकार के डिटेल लिए। वाटर रिचार्जिंग काम किया। कहीं भी स्टॉप डैम नहीं बनाया न ही सैंडी साइल में काम किया, क्योंकि इसका कोई लाभ नहीं होता। सही जगह पर नरवा योजना लाने से लाभ यह हुआ कि 7 सेमी से 70 सेमी तक जल स्तर बढ़ गया। गौठान के माध्यम से डेढ़ लाख हेक्टेयर जमीन हमने ग्रामीण विकास के लिए आरक्षित कर ली। पशुधन को गौठान से जोड़ा। वहां चारे की व्यवस्था की। कोरोना के 2 साल कठिन रहे, फिर भी गौठान व्यवस्थित हो गए। गोधन न्याय योजना से सबसे ज्यादा उन लोगों को लाभ हुआ जो गरीबी रेखा के नीचे थे। उनकी आय की निश्चित व्यवस्था हो गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 50 यूनिट स्थापित कर 50 हजार लीटर गोबर पेंट बनाये हैं। शासकीय भवनों में पुताई इससे ही हो रही है। जगदलपुर में गोबर से हम बिजली बना रहे हैं। हम कार्बन उत्सर्जन नहीं कर रहे, ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने के लिए कार्य कर रहे हैं। जो प्रकृति से लिया है वही प्रकृति को लौटा रहे हैं यही तो हमारे वेदों का संदेश है। हमारी योजनाओं से जो ग्रामीण विकास से संबंधित हैं, एक लाख 66 हजार महिलाओं को इससे रोजगार मिला है। काजू का ही उदाहरण लें, इसे प्रसंस्कृत कर ये लोग लाभ ले रहे हैं। अबूझमाड़ में फुलझाड़ू के लिए प्रशिक्षण दिया और पिछले तीन सालों से दिल्ली में इसकी सप्लाई छत्तीसगढ़ की महिलाएं कर रही हैं। तीखुर हमारे यहां स्वादिष्ट वनोपज है। बहुत तरलता देता है। इसकी खरीदी की वैल्यू एडिशन की कोई योजना नहीं थी, हमने इसे किया। मिलेट्स के लिए हम लोग काम कर रहे हैं, पूरे प्रदेश भर में मिलेट कैफ़े हैं। 75 हजार से अधिक ट्रैक्टर 4 साल में बिके हैं। यह किसानों के मजबूत होने की निशानी है। बड़े परिवर्तन गाँधी, अरबिंदो के रास्ते पर चलकर किये जा सकते हैं। हमारा यही रास्ता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का पूरे संबोधन को सुनने के बाद इसरो के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. टी. एन. सुरेश ने कहा कि मुख्यमंत्री जी आप केवल चीफ मिनिस्टर नहीं हैं। आप साइंटिफिक चीफ मिनिस्टर हैं। आपका सम्बोधन सुनकर बहुत अच्छा लगा। आपका संबोधन हमको प्रेरित करता है कि अपने परिवेश के बारे में सही समझ और वैज्ञानिक चेतना से हम बहुत आगे बढ़ सकते हैं। श्री अरोबिंदो योग एंड नॉलेज फाउंडेशन से आये संस्थान के डायरेक्टर डॉ समरेंद्र घोष ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के बारे में आज पता चला कि उनके घर में एक छोटी सी लाइब्रेरी है। इसमें विवेकानंद और अरबिंदो जैसे विचारकों की किताबें हैं। उनमें ये गहरी रुचि रखते हैं। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास के लिए नरवा जैसे नवाचार लाये हैं जो ग्रासरूट लेवल पर लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। सर्कुलर इकॉनमी का कांसेप्ट बताते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की उद्यमिता को बढ़ाते हुए और वो भी स्थानीय संसाधनों से इसे बढ़ाते हुए वो अच्छा काम कर रहे हैं।

अच्छा काम करने से रास्ता मिलता है,उपाधि मिलने में पूरे परिवार का योगदान : बघेल

डॉक्टरेट की उपाधि मिले के बाद आप ल कइसे लागत हे, यह प्रश्न एंकर ने पूछा और मुख्यमंत्री ने इसका उत्तर पुनः मंच से दिया। उन्होंने कहा कि जब काम करना शुरू किया तो बस ये चाह थी कि अच्छा काम करते रहना है। काम करते गए और रास्ता निकलता गया।

छत्तीसगढ़ के 12 कलेक्टरों और डीईओ को नोटिस और चेतावनी

पीएमओ में की गई शिकायत

रायपुर,29अप्रैल2023(ए)। राज्य सरकार के स्पष्ट निर्देश के बाद भी छत्तीसगढ़ के 12 जिलों में स्कूलों में मिलेट्स चिक्की खरीदने का आदेश जारी कर दिया गया। बताते हैं पांच जिलों में इसका वितरण भी कर दिया। जबकि, राज्य सरकार ने कलेक्टरों को आदेश दिया था कि वन विभागों की संस्थाओं से कच्चा मिलेट्स खरीदकर स्कूलों में ही उसे तैयार कर बच्चों को बांटा जाए। मगर जिला शिक्षा अधिकारियों ने सी मार्ट से रेडिमेड चिक्की खरीद डाला। पता चला है, इसमें बड़ा खेला हुआ है। रायपुर के एक कारोबारी ने मिलेट्स चिक्की बनाकर जिलों के सी मार्ट में सप्लाई कर दिया। और डीईओ ने सी मार्ट की आड़ में उसे खरीद लिया। इसमें कुछ जिलों के कलेक्टरों की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। पीएमओ में इसकी शिकायत की गई है क्योंकि पैसा केंद्र का था। ज्ञातव्य है, प्रधानमंत्री

पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा पूरक पोषण अंतर्गत सोया चिक्की के वितरण करने हेतु वार्षिक कार्य योजना में स्वीकृति दी गई थी। मगर सीएम भूपेश बघेल ने केंद्र से आग्रह किया कि हमारे यहां सोयाबीन का उत्पादन कम होता है लिहाजा मिलेट्स चिक्की वितरण की अनुमति दें। फरवरी में भारत सरकार से इसकी इजाजत मिल भी गई।

राज्य शासन द्वारा इस संबंध में स्पष्ट आदेश दिये गये कि मिलेट्स की खरीदी जिला स्तर पर वन विभाग की संस्थाओं अथवा सी मार्ट से की जाये, परन्तु मिलेट की पकी हुई सामग्री नहीं खरीदें बल्कि कच्चा मिलेट खरीदकर उसे स्व-सहायता समूहों द्वारा पकी हुई सामग्री में परिवर्तित कर बच्चों को बांटा जाये। इस निर्देश के पीछे आशय यह था कि मिलेट के व्यंजन को स्कूल स्तर पर ही पकाया जाएगा क्योंकि स्कूल स्तर पर मध्यान्ह भोजन पकाने का कार्य स्कूल स्तर के स्व-सहायता समूहों द्वारा किया जाता है ।

राज्य शासन द्वारा विभागीय पत्र 10 मार्च 2023 द्वारा निर्देशित किया गया कि जिला कलेक्टर स्थानीय स्तर पर स्व-सहायता समूहों के माध्यम से वन विभाग द्वारा उपार्जित सामग्री से खाद्य पदार्थ बनवाकर भंडार क्रय नियम का पालन करते हुए करा सकेंगे। भारत सरकार के गाईड लाईन अनुसार प्रधानमंत्री पोषण का संचालन स्व-सहायता समूहों द्वारा कराया जा सकता है। बाजार में उपलब्ध रेडीमेट खाद्य सामग्री क्रय पर रोक लगाई जाए। मिलेट आधारित खाद्य सामग्री का वितरण प्रस्तावित 12 जिलों में सप्ताह में 4 दिन किया जाए। पूरक पोषण सामग्री का वितरण शैक्षणिक सत्र 2022-23 अर्थात् 30 अप्रैल 2023 तक किया जाये। जिला शिक्षा अधिकारियों के मांग अनुसार राज्य कार्यालय द्वारा आबंटन जारी किया जाये।

प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने सीएम भूपेश बघेल की तारीफों में पढ़े कसीदे

» आरक्षण को लेकर नसीहत भी दी

रायपुर,29अप्रैल2023(ए)। देश- विदेश में शिव महापुराण की कथा सुनाने वाले प्रख्यात कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा छत्तीसगढ़ के भिलाई शहर में शिव महापुराण की लोगों को कथा सुना रहे हैं। कथा सुनने के लिए दुर्ग और छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों सहित दूसरे राज्यों से भी हजारों की संख्या में श्रद्धालुगण आयोजन स्थल पर पहुंच रहे।

वहीं आज शनिवार सुबह पंडित प्रदीप मिश्रा ने भिलाई में पत्रकारों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तारीफों में जमकर कसीदे पढ़े। कथा वाचक पंडित मिश्रा ने छत्तीसगढ़ सरकार की गोधन न्याय योजना की जमकर तारीफ की।

उन्होंने कहा कि गौमाता को लेकर भूपेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब गायों की महिमा बढ़ गई है। पहले लोग उन्हें कत्लखाने भेज देते

थे, लेकिन, अब गोधन न्याय योजना के चलते ऐसा नहीं हो रहा है। गांव-गांव में गौठान बनाकर यहां गौ माता की सेवा हो रही है। दूध और गोबर से नए उत्पाद बन रहे हैं।

इससे छत्तीसगढ़ में जैविक खेती हो रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की इस योजना को देख दूसरे प्रदेशों में भी लागू किया जा रहा है। इस मामले में यहां बहुत अच्छा काम हो रहा है। इसकी जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है।

आरक्षण व धर्मांतरण को लेकर भी रखी अपनी बात = पंडित मिश्रा ने आरक्षण व प्रदेश में धर्मांतरण के मुद्दे को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने आरक्षण के मुद्दे पर कहा कि हमें विचार किया जाना चाहिए कि आरक्षण किन्हें दिया जाए।

यह सिर्फ राजनीति के लिए न हो, बल्कि सिर्फ जो जरूरतमंद हैं उन्हें ही आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। वहीं धर्मांतरण के मसले पर भी बेबाकी से अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि यदि हम अपने धर्म को मजबूत करें तो इस समस्या को समाप्त कर सकते हैं।

अरनपुर हमले का मास्टरमाइंड नक्सली की फोटो एके 47 के साथ हुई वायरल

» 12 नक्सलियों पर एफआइआर 2 गिरफ्तार

दंतेवाड़ा,29अप्रैल2023(ए)। जिले के अरनपुर हमले का मास्टरमाइंड नक्सलियों के मिलिट्री दलम का सदस्य पांच लाख का इनामी नक्सली जगदीश जगरगुंडा के ग्राम पूवर्ती निवासी की तस्वीर हथियार एके 47 के साथ वायरल हो रही है। अरनपुर नक्सली वारदात के बाद मिल रही जानकारी के अनुसार अरनपुर आईईडी विस्फोट में जगदीश के द्वारा पूरी वारदात को अंजाम देने के लिए योजना बनाने की बात सामने आ रही है, जिसमें दस जवान और एक ड्राइवर बलिदान हो गए थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जगदीश पहले सिर्फ कटेकल्याण एरिया कमेटी में सक्रिय था, लेकिन लगातार बड़ी वारदातों को अंजाम देने में सफलता के बाद जगदीश का कैडर बढ़ गया है। जगदीश अब नक्सलियों के मिलिट्री दलम में अहम भूमिका निभा रहा है। अरनपुर हमले की जिम्मेदारी नक्सलियों की दरभा डिवीजनल कमेटी ने ली है। अरनपुर आईईडी विस्फोट के बाद जगदीश सहित 12 और नक्सलियों के विरूद्ध अरनपुर में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस

ने दरभा डिवीजनल कमेटी में सक्रिय नक्सलियों जगदीश, लख्खे, लिंगे, सोमडू, महेश, हिड़मा, उमेश, देवे, नंद कुमार, लखमा, कोसा, मुकेश, चैतू, मंगतू, रनसाय, जयलाल, बामन, सोमे, राकेश, भीमा तथा अन्य के विरूद्ध यूएपीए के तहत एफआइआर दर्ज की है।

अरनपुर हमले में नक्सलियों ने किया था फॉक्सहोल मैकेनिज्म का इस्तेमाल, हुआ नया खुलासा

दंतेवाड़ा के अरनपुर में आईईडी विस्फोट में 10 डीआरजी (जिला रिजर्व गार्ड) के जवानों की मौत के मामले में नया खुलासा हुआ है. बस्तर पुलिस के मुताबिक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) को कुछ महीने पहले सुरंग खोदकर सड़क के नीचे लगाया गया था. इसके लिए फॉक्सहोल मैकेनिज्म का इस्तेमाल किया गया. यह ऐसी तकनीक है जिसमें गड्ढा खोदकर दुश्म बारूद और खुद को छिपाने का काम करते हैं.

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक ÷समय-समय पर सड़क पर डी-माइनिंग की जाती है. ऐसा प्रतीत होता है कि फॉक्सहोल मैकेनिज्म (सुरंग खोदने की एक शैली) के माध्यम से सड़क के नीचे लगाया गया था. इस तरीके का प्रयोग करने की वजह से डी-माइनिंग के दौरान आईईडी का पता नहीं चल पाया था

प्रारंभिक जांच में पाया गया कि करीब डेढ़ से दो महीने पहले एक सुरंग खोदकर आईईडी लगाया गया था. इससे जुड़े तार को जमीन से 2-3 इंच नीचे छिपाया गया था. जांच के आधार पर बस्तर पुलिस ने चैतू, देवा, मंगटू, रनसई, जैलाल, बामन, कुछ, राकेश, भीमा सहित अन्य नक्सली कैडरों के खिलाफ केस दर्ज किया है.

पूर्व रमन सरकार की सहयोगी संघ अब नक्सलवाद के नाम से घड़ियाली आंसू बहा रही

» सत्ता जाने के बाद राजेन्द्र प्रसाद को याद आया कि प्रदेश में बढ़े नक्सलवाद रमन भाजपा सरकार की देन

रायपुर,29अप्रैल2023(ए)। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने संघ नेता राजेंद्र प्रसाद के ऊपर तंज कसते हुए कहा कि 15 साल के रमन सरकार के सहयोगी रहे संघ को सत्ता जाने के साढ़े 4 साल बाद याद आया कि बढ़े नक्सलवाद के लिए रमन भाजपा की सरकार जिम्मेदार है। 15 साल सत्ता के दौरान यही संघ के बड़े-बड़े नेता रमन सरकार के चाटुकार हुआ करते थे और आंखें मूंद कर बैठे थे और रमन सरकार के कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार में हिस्सेदार भी थे अब जनता ने जब 15 साल बाद भाजपा को नकार दिया और 2023 के आम चुनाव नजदीक आ रहे हैं तब ऐसे में संघ के नेता जनता को भरवाने के लिए अपनी ही सरकार पर आरोप लगा रहे और खुद को पाक साफबता रहे है। भाजपा की सरकारों की रिमोट आरएसएस के पास ही रहता है ऐसे में संघ रमन सरकार की जिम्मेदारी से खुद को बचा नहीं सकती।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने संघ के बड़े नेता राजेंद्र प्रसाद से पूछा 15 साल में क्या संघ ने बढ़ते नक्सलवाद की चिंता क्यो नही की? नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की जनता की शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार उनके कानूनी अधिकार के बारे में क्यो नही सोचा? जो सैकड़ों अनुषांगिक संगठनों का वरिष्ठ अपने आपको बताता है क्या उस संघ के पास रमन सरकार की नाकामी के संदर्भ में जानकारी नहीं आती रही है आखिर संघ की क्या मजबूरी थी? रमन सरकार आदिवासी वर्ग के ऊपर अत्याचार कर रहा था, किसानों के साथ वादाखिलाफी किया, गौ सेवा के नाम से गौ माता के अनुदान में भ्रष्टाचार किया, छत्तीसगढ़ की वन संपदा को लूटा, छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, तीज-त्यौहार की ओर ध्यान नहीं दिया, तब संघ मौन क्यों था? संघ की नक्सलवाद को लेकर चिंता और पूर्व रमन सरकार पर दोष मढ़ना भाजपा की ध्वस्त हो चुकी राजनीतिक किला को पुनः स्थापित करने की रणनीति का हिस्सा है। संघ जनता को दिग्भ्रमित कर भ्रम में रखकर भाजपा के लिए राजनीतिक एजेंसी की तरह काम कर रही है। संघ को कल भी छत्तीसगढ़ की चिंता नहीं थी।

फिल कोल में 60 फीट की ऊंचाई से गिरने पर श्रमिक की मौत

परिजनों ने की मुआवजा की मांग

बिलासपुर,29अप्रैल2023(ए)। जिले से बड़ी खबर आयी है। औद्योगिक दुर्घटना में श्रमिक की मौत के बाद हंगामा मचा हुआ है। परिजन सिम्स मरचुरी में धरने पर बैठ गए, जिनके द्वारा कंपनी के मालिक को मौके पर बुलाया जा रहा है। परिजन 25 लाख रुपये मुआवजा और प्रतिमाह वेतन देने की मांग पर अड़े हुए हैं। मांग पूरी ना होने पर उन्होंने शव ले जाने से मना कर दिया है। छोटी कोनी निवासी 42 वर्षीय शत्रुघ्न चौबे ने घुट्कु स्थित फील कोल में एक सप्ताह पहले ही बतौर फोरमैन जॉइनिंग दी थी।शुक्रवार शाम को वे 60 फुट की ऊंचाई पर केवल चेक कर रहा था। किसी तरह का सुरक्षित उपकरण ना होने की वजह से ऊंचाई से गिर पड़ा। तुरंत उन्हें प्लांट की गाड़ी से ही बिलासपुर स्थित श्री राम केयर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें सिम्स रेफर कर दिया गया।

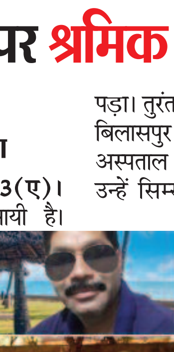

सिम्स अस्पताल के डॉक्टरों ने शत्रुघ्न चौबे को मृत घोषित कर दिया।

शत्रुघ्न चौबे के दो बेटे 12 और 14 साल के हैं। परिजनों का आरोप है कि इस दुर्घटना के बाद भी कंपनी का कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति मौके पर नहीं पहुंचा और ना ही किसी तरह के मुआवजे का कोई भरोसा दिलाया गया। जिसके बाद धरने पर बैठे परिजनों ने बिना मुआवजा शव ले जाने से ही मना कर दिया। बताया जा रहा है कि फील कोल उद्योगपति प्रवीण झा की कंपनी है, जिसमें सुरक्षा उपकरण इस्तेमाल ना करने से श्रमिक की ऊंचाई से गिरकर मौत हो गई, जिसके बाद सिम्स में हंगामा मचा हुआ है।

4 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा ,29अप्रैल2023(ए)। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत थाना चिंतागुफा के अंदरूनी क्षेत्रों में नवीन सुरक्षा कैम्पों के स्थापित होने से क्षेत्र में हो रहे विकासात्मक कार्यों से प्रभावित होकर प्रतिबंधित नक्सली संगठन में सक्रिय कुल 04 नक्सलियों क्रमशः 01. गड्डेम रमेश (डीएकेएमएस सदस्य), उम्र 25 वर्ष, 02. कुरसम भीमा (मिलिशिया सदस्य) उम्र 25 वर्ष, 03 मड़कम सारा (जनताना सरकार अध्यक्ष साकलेर आरपीसी अन्तर्गत) उम्र 35 वर्ष, 04. माड़वी गंगा (मिलिशिया सदस्य) उम्र 27 वर्ष सभी निवासी थाना किस्टाराम क्षेत्र जिला सुकमा के द्वारा नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में अति. पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑप्स किरण चव्हाण, डिप्टी कमाण्डेन्ट 212 वाहिनी सीआरपीएफ अजय प्रताप सिंह, एवं उप पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑप्स कोंटा गिरिजाशंकर साव के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। उक्त नक्सलियों को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में 208 वाहिनी कोबरा आसूचना शाखा, तथा 212 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा एवं उप निरीक्षक भावेश शेंडे थाना प्रभारी किस्टाराम का विशेष प्रयास रहा। सभी उक्त आत्मसमर्पित नक्सलियों को राज्य शासन के पुनर्वास नीति के तहत् सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय किया जायेगा।

कांकेर में साथियों की गिरफ्तारी का नक्सलियों ने किया खंडन, कहा-ग्रामीणों को फंसा रही पुलिस

जिले में हुई गिरफ्तारी को लेकर नक्सलियों ने खंडन किया है। नक्सलियों ने पर्चे फेंककर कहा है कि उनके साथियों को नहीं पकड़ा गया। पुलिस ने कुछ दिन पहले जिन लोगों को पकड़ा है, उनका हमारे संगठन से कोई लेना-देना नहीं है। आरोप लगाया है कि ग्रामीणों को पकड़कर पुलिस उन्हें नक्सली बता रही है। कि कैंप के आड़ में नक्सली स्थानीय लोगों की गिरफ्तार की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, अन्तागढ़ विकासखण्ड में नक्सलियों ने खूड़गांव के पास भारी मात्रा में पर्चे फेककर गिरफ्तारी का खंडन किया है। पर्चे में रावघाट एरिया कमेटी का नाम लिखा हुआ है। पर्चे में आरोप लगाया गया है कि पानीडोबीर गांव के ग्राम सभा सदस्य को नक्सली बताकर गिरफ्तार किया गया है। कुछ ग्रामीणों के ऊपर झूठा वारंट लगाकर पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

नक्सलियों के रावघाट एरिया कमेटी ने फेंका पर्चा,लगाये आरोप

कांकेर,29अप्रैल2023(ए)। जिले के अंतागढ़ क्षेत्र के खड़गांव के पास नक्सलियों के रावघाट एरिया कमेटी के द्वारा पर्चे फेंके गये हैं। पर्चे में पुलिस द्वारा हाल ही में गिरफ्तार किए गए नक्सलियों को ग्रामीण बताते हुए नक्सलियों ने पुलिस पर फर्जी गिरफ्तारी का आरोप लगाया है। पुलिस द्वारा पूर्व में जारी विज्ञप्ति के अनुसार जिन्हें गिरफ्तार किया गया है, उनके विरूद्ध आईईडी विस्फोट से लेकर आगजनी के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस पार्टी पर हमला, मोबाइल टावर में आगजनी, वाहनों में आगजनी जैसी वारदातों में गिरफ्तार नक्सली शामिल रहे हैं। क्षेत्र में नया कैंप खुलने से नक्सली बैकफुट पर हैं, इसलिए ऐसे बयान जारी कर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। गौरतलब है कि महीने की शुरुआत में कांकेर पुलिस ने दो अलग-अलग जगहों से 04 नक्सलियों को गिरफ्तार किया था, जिसमें धुर नक्सल प्रभावित पानी क्षेत्र का नक्सली संगठन के रेंज अध्यक्ष गणेश कड़ियाम भी शामिल था। इसके अलावा 03 अन्य नक्सली भी पुलिस ने गिरफ्तार किए थे। अब नक्सलियों ने लगभग एक माह के बाद इसका खंडन करते हुए पुलिस पर फर्जी गिरफ्तारी के आरोप लगाते हुए आम ग्रामीणों को परेशान करने के आरोप लगाए हैं। नक्सलियों ने पर्चे के माध्यम से अपना बयान जारी करते हुए कहा है कि जिन्हें गिरफ्तार किया गया है, उनका नक्सल संगठन से कोई वास्ता ही नहीं है। नक्सलियों ने पुलिस पर क्षेत्र में कैम्प खोलकर ग्रामीणों को परेशान करने जैसे आरोप लगाए हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)